संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-182 गुरूवार,04 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

क्या प्रफुल्ल पटेल बनेंगे शरद पवार की जगह एनसीपी अध्यक्ष ?

शरद पवार के ऐलान के बाद इस बात की चर्चा तेज हो गई कि अब पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा ?

नई दिल्ली,03मई 2023(ए)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष पद को छोड़ने की घोषणा के बाद शरद पवार को मनाने का प्रयास जारी है। मंगलवार को शरद पवार ने इस्तीफा देने की घोषणा की थी। उनके इस फैसले से हर लोग हैरान रह गया था। अब 5 मई या 6 मई को एक समिति की बैठक बुलाई गई है, जिसमें लिया गया फैसला स्वीकार्य होगा।

शरद पवार के ऐलान के बाद इस बात की चर्चा तेज हो गई कि अब पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा? इस बीच एनसीपी के वाइस प्रेसिडेंट प्रफुल्ल पटेल ने खुद को इससे अलग कर लिया है। एनसीपी उपाध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि मुझे अध्यक्ष बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

प्रफुल्ल पटेल ने दिया ये बयान

नए एनसीपी चीफ की रेस से खुद को बाहर करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा, जब तक पवार साहब के इस्तीफे पर अंतिम निर्णय नहीं होता, तब तक एनसीपी के नए चीफ को लेकर सवाल ही नहीं पैदा होता। व्यक्तिगत रूप से मैं इस जिम्मेदारी को लेने के लिए तैयार नहीं हूं।

उन्होंने आगे कहा कि मैं पहले से ही पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हूं,यह

एक शानदार पद है। मुझ पर पहले से ही काफी जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मुझे पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

पार्टी की आंतरिक राजनीति बनी वजह ?

वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या शरद पवार ने पार्टी की आंतरिक राजनीति के कारण एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफे की घोषणा की, जिस पर एनसीपी नेता ने कहा,पार्टी एकजुट है। पवार साहब के नेतृत्व में सभी एक साथ खड़े हैं। एनसीपी, एक पार्टी के रूप में, एकजुट रहेंगे। कोई गुट सामने नहीं आएगा।

इसके बाद एनसीपी अध्यक्ष के पद पर फैसला करने के लिए गठित पार्टी की समिति पर उपाध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि अगर उस समिति की बैठक बुलाने की जरूरत पड़ी तो हम आपको बताएंगे।

अचानक से इस्तीफे का ऐलान

आपको बता दें कि एक दिन पहले 2 मई को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैं एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं। शरद पवार के इस बयान के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोग हंगामा करते हुए इस्तीफा वापस लेने की मांग करने लगे।

बजरंग दल कांग्रेस के विरोध में आयोजित करेगा हनुमान चालीसा पाठ

बैंगलोर,03मई2023(ए)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का संकले प लिया है। इसके साथ ही उसने बजरंग दल जैसे संगठन की तुलना पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से की है, जिस पर सितंबर 2022 में केंद्र द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया था।

कांग्रेस के बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाए जाने की घोषणा पर जहां भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार में कांग्रेस को जमकर आड़े हाथों लिया वहीं अब बजरंग दल ने स्े वयं कांग्रेस के इस चुनावी संकले प के विरोध में गुरुवार को पूरे कर्नाटक में हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है।

यह वह समय है जब धर्म खतरे में है

बुधवार को बजरंग दल ने कहा कि वह राज्य भर में हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित करने जा रहे हैं। बजरंग दल संगठन ने कहा यह वह समय है जब %धर्म% खतरे में है और एक साथ खड़ा होना ही आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है। हमें अपने मतभेदों को दूर करना चाहिए और धर्म की रक्षा के लिए एक साथ आना चाहिए और एक साथ हाथ मिलाना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद भी ने बजरंग दल का किया समर्थन

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने भी बजरगदल के इस आह्वान का समर्थन किया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मंगलवार को विजयनगर जिले के होसपेट में अपनी जनसभा के दौरान बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के कांग्रेस के वादे की जमकर आलोचना करते हुए कहा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में भगवान हनुमान के नारे लगाने वालों को बंद करने का फैसला किया है।

कांग्रेस ने घोषणा-पत्र में बोली है ये बात

बता दें कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वह जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने बजरंग दल की पीएफआई से की तुलना

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा हम मानते हैं कि कानून और संविधान पवित्र है और बजरंग दल, पीएफआई जैसे व्यक्तियों और संगठनों द्वारा इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता है या बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक समुदायों के बीच शत्रुता या घृणा को बढ़ावा देने वाले अन्य ऐसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने समेत कानून के अनुसार निर्णायक कार्रवाई करेंगे।

हनुमान चालीसा

बता दें हनुमान चालीसा 16वीं सदी के कवि और भगवान राम के भक्त गोस्वामी तुलसीदास द्वारा अवधी में लिखे गए 40 दोहों का एक समूह है, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली हिंदी की बोलियों में से एक है।

दिल्ली समेत 19 ठिकानों पर सीबीआई की रेड

» **वाटर एंड पॉवर कंसल्टेंसी के पूर्व सीएमडी बेटे समेत अरेस्ट**

नईदिल्ली,03 मई 2023 (ए)।सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बुधवार को वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी के पूर्व सीएमडी राजेंद्र कुमार गुप्ता और उनके बेटे गौरव सिंगल को गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी ने मंगलवार को ही उनके दिल्ली समेत 19 ठिकानों पर रेड डाली थी।

पहले दिन उनके घर से 20 करोड़ रुपए कैश बरामद किए गए। बुधवार को हुई कार्रवाई में यह आंकड़ा 38 करोड़ रुपए पहुंच गया। जांच एजेंसी ने राजेंद्र कुमार गुप्ता और गौरव सिंगल के दिल्ली, चंडीगढ़, गुरुग्राम, सोनीपत और गाजियाबाद सहित 19 ठिकानों पर छापेमारी की।

इनमें कैश, अन्य कीमती सामान और संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी में गुप्ता का कार्यकाल 1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2019 तक रहा। जांच एजेंसी ने इस दौरान जमा की गई संपत्ति के मामले में केस दर्ज किया था।

सीबीआई को नकदी और कीमती ज्वेलरी के साथ ही आरोपियों की कथित अचल संपत्तियों का भी पता चला है। इनमें फ्लैट, व्यवसायिक संपत्तियां, दिल्ली, गुरुग्राम, पंचकूला, सोनीपत और चंडीगढ़ स्थित फार्म हाउस शामिल हैं। आरके गुप्ता और उनके परिवार पर रिटायरमेंट के बाद दिल्ली में एक प्राइवेट कंसल्टेंसी बिजनेस स्थापित करने का भी आरोप है।

राजेंद्र कुमार गुप्ता केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। ये एक पब्लिक सेक्टर कंपनी है, जिसका मालिकाना हक पूरी तरह केंद्र सरकार के पास है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय इसके संचालन का काम देखता है।

कम नहीं हो रही बीबीसी की मुश्किलें

दिल्ली कोर्ट ने जारी किया समन

नईदिल्ली,03मई 2023(ए)। बीबीसी यानी ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर डॉक्यूमेंट्री बनाई है तब से भारत में उसकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब इस मामले में बीबीसी को दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने समन जारी किया है। बीबीसी के अलावा इस मामले में कोर्ट ने विकिपीडिया और इंटरनेट आर्काइव को भी समन जारी किया है। मानहानि मामले में ये सम जारी किया गया है। बता दें, भाजपा नेता विनय कुमार ने इस मामले में याचिका दायर की थी जिसपर सुनवाई करते हुए दिल्ली कोर्ट ने समन जारी किया है। अब इस मामले में रोहिणी कोर्ट 11 मई को अगली सुनवाई करेगी। याचिका में विनय कुमार सिंह ने कहा है कि इस डॉक्यूमेंट्री से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद

की छवि को नुकसान हुआ है एवं दोनों संगठनों की मानहानि हुई है। आरएसए और वीएचपी को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से बदनाम किया गया है। बता दें इस डॉक्यूमेंट्री का नाम 'इंडिया- द मोदी क्वेश्चन' है जिसपर भारतीय सरकार ने पहले ही रोक लगा दी थी। बीबीसी ने 2 भागों में इस फिल्म को रिलीज़ किया था। ऋस्स और ड्डाक्क के एक्टिव वॉलेंटियर विनय कुमार सिंह ने इस डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ जो याचिका दायर की थी उसमें कहा गया था कि फिल्म पर रोक लगाए जाने के बाद ये अभी भी विकीपीडिया और इंटरनेट आर्काइव पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।अब कोर्ट इस मामले में 11 मई को सगली सुनवाई करेगी।

बोरिस जॉनसन को दिए गए ऋण मामले में बीबीसी के अध्यक्ष रिचर्ड शार्प ने अपने पद से इस्तीफे की घोषणा की है। नियमों का उल्लंघन करने की रिपोर्ट सामने आने के बाद बीबीसी के चेयरमैन शार्प ने ये इस्तीफा दिया है।

आप सासंद संजय सिंह का दावा

» **शराब घोटाले में उनका नाम जोड़ने पर ईडी ने मांगी माफी,जताया खेद**

नईदिल्ली,03मई 2023 (ए)। शराब घोटाले मामले पर मनीष सिसोदिया जेल में हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय उनसे पूछताछ भी कर रही है। पिछले दिनों सीबीआई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी इस मामले में पूछताछ की थी। इस बीच, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि बिना किसी आधार के ईडी ने चार्जशीट में उनका भी नाम लिया है। संजय सिंह ने कहा कि ईडी ने उन्हें चिट्ठी लिखकर खेद जताया है। आप सांसद का कहना है कि ईडी ने अपनी गलती मानी है।

इस मामले में सांसद संजय सिंह ने केंद्रीय वित्त सचिव को चिट्ठी भी लिखी है। संजय सिंह ने शराब घोटाले में नाम लेने पर प्रवर्तन निदेशालय के डायरेक्टर और असिस्टेंट डायरेक्टर के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। संजय सिंह ने कहा कि बिना किसी आधार के मेरा नाम लिया गया है। डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा और असिस्टेंट डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने मेरी छवि को नुकसान पहुंचाया है। इन दोनों अधिकारीयों ने अपने पद का दुरूपयोग किया किया है। संजय सिंह ने कहा कि मैंने दोनों अधिकारियों को 48 घंटे का नोटिस दिया था। न अधिकारियो ने जवाब दिया है। न ही माफी मांगी है।

मोदी सरनेम पर टिप्पणी केस में राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ी

रांची कोर्ट में होना पड़ेगा पेश

रांची,03मई 2023 (ए)। मोदी सरनेम वाले लोगों पर टिप्पणी से जुड़े केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब रांची की अदालत में भी हाजिर होना पड़ेगा। रांची की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी द्वारा दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की अर्जी को खारिज कर दिया है।

यह केस रांची के रहने वाले प्रदीप मोदी ने दाखिल किया था। इसमें कहा गया है कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी रांची में चुनावी सभा को संबोधित करने आए थे, तब उन्होंने मोदी सरनेम वाले लोगों पर टिप्पणी की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट में अलगाववादी नेता पर लगे आरोपों पर हुई सुनवाई

पीठ ने एनआईए से मांगा जवाब

नईदिल्ली,03मई 2023 (ए)। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को अलगाववादी नेता नईम अहमद खान पर लगे टेरर फंडिंग केस के आरोपों को लेकर सुनवाई हुई है। इस दौरान कोर्ट ने एनआईए को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। खान ने निचली अदालत द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए कथित टेरर फंडिंग के आरोप और यूएपीए एक्ट को चुनौती दी है। एनआईए ने खान पर कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने का आरोप लगाया है और उसे 24 जुलाई 2017 को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए की एक विशेष अदालत ने 16 मार्च

2022 को खान के खिलाफ राजद्रोह और यूएपीए सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे, जिसे अपील में खान के द्वारा चुनौती दी गई है।

यह आरोप लगाया गया है कि सुरक्षाबलों पर पथराव, स्कूलों को जलाना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़कर कश्मीर घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त करने की एक बड़ी आपराधिक साजिश थी।

खान 14 अगस्त 2017 से हिरासत में हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 के एक आदेश के खिलाफ अपील भी दायर की थी, जिसमें उन्हें मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। विशेष एनआईए अदालत ने कहा था कि आरोप तय किए जाने के समय सबूतों और कई गवाहों के बयानों की पूरी तरह से जांच की गई थी, और यह पाया गया कि खान की संलिप्तता के बारे में गंभीर संदेह पैदा करने वाले पर्याप्त सबूत उपलब्ध हैं, इसलिए उसे जमानत से वंचित किया गया है।

पहलवानों के समर्थन में मार्च निकाल रहे डीयू के स्टूडेंट्स को पुलिस ने घसीटा

नईदिल्ली,03मई 2023 (ए)। पहलवानों के समर्थन में मार्च निकाल रहे दिल्ली यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को पुलिस ने घसीटा और फिर हिरासत में ले लिया है। डीयू के स्टूडेंट्स ने पुलिस पर अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगाया है। स्टूडेंट्स बजरंग पूनिया की समर्थन की अपील पर मार्च निकाल रहे थे।

पहले स्टूडेंट्स को दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने समझाया कि आप लोग यहां पर प्रदर्शन ना करें। आपके पास प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। लेकिन छात्राएं नहीं मानी जिसके चलते प्रदर्शन करने वाले सभी छात्राओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

इधर पहलवानों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दी गई दिल्ली पुलिस की सिक्योरिटी लौटा दी है। वहीं जंतर-मंतर पर पहलवानों का भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ धरना जारी है। पहलवानों का कहना है कि जबतक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं होती है, तबतक उनका धरना जारी रहेगा।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दो शिफ्ट में एक-एक सिपाही को पहलवानों की सुरक्षा में लगाया गया था। जिसे पहलवानों ने लौटा दिया है। पहलवानों का कहना है कि अगर वे लोग जंतर-मंतर पर भी सुरक्षित नहीं है, तो कहीं भी सुरक्षित नहीं रह सकते हैं। वे लोग यहां शांतिपूर्वक धरना दे रहे हैं।

9वीं में हुई फेल,अंग्रेजी भी थी कमजोर,फिर भी सिर पर सजा मिस इंडिया का ताज

कोटा ,03मई 2023 (ए)। मिस इंडिया नंदिनी गुप्ता ने बुधवार को कोटा के एक कोचिंग सेंटर में मेडिकल और इंजीनियरिंग के छात्रों से 25 मिनट के लंबे सत्र में बातचीत की. छात्रों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोटा जैसे शहर से मुंबई जाकर अपने सपनों को साकार करने की कोशिश करना आसान नहीं था. लेकिन अपने माता-पिता के सहयोग से मैंने अपने सपने को साकार किया. मैं 9वीं में मैथ्स में फेल हो गई थी, 70 में से 15 अंक मिले. मैं निराश थी. शिक्षकों ने मुझे पढ़ाई जारी रखने के लिए कहा और मैंने उनकी बात मानी. मैंने प्रबंधन में दूसरा स्थान प्राप्त किया. अब मिस इंडिया बन गई हूं. उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा ~ अपने सपने को एक जुनून बना लें. उस पर काम करें. अपनी पूरी कोशिश करें. अपना लक्ष्य निर्धारित करें, तभी आप इस तरह के मुकाम को हासिल कर पाएंगे. पृष्ठभूमि मायने नहीं रखती. नंदिनी ने आगे कहा मैं हाड़ौती से हूं, इसलिए मुझे हिंदी के साथ-साथ हाड़ौती भी अच्छी तरह बोलनी आती है, लेकिन अंग्रेजी भाषा

में मेरी कमजोरी सबसे बड़ी समस्या थी. मैंने अपनी अंग्रेजी में सुधार किया. अब एक नए सफर की शुरुआत है. चुनौतियों से डरो मत. संघर्ष करो. माता-पिता और शिक्षकों की सुनें. हमें पता होना चाहिए कि मौके को कैसे भुनाना है. यह पूछे जाने पर कि क्या वह बॉलीवुड में जाने के लिए तैयार हैं, उन्होंने कहा ~ अगर मुझे मौका मिलता है, तो मैं करूंगी. जब उनसे उनकी प्रेरणा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा ~ मैंने 10 साल की उम्र में फिल्म %देवदास% देखी थी. मैंने अपनी मां से ऐश्वर्या राय के बारे में पूछा. उन्होंने मुझे बताया कि वह मिस वर्ल्ड थीं. यही मेरा सपना था. उन्होंने आगे कहा, मेरी मां मेरी प्रेरणा थीं. उन्होंने मेरा आत्मविश्वास नहीं जाने दिया. पापा हमेशा मेरे साथ थे. बुधवार सुबह नंदिनी भांडाहेड़ा गांव पहुंचीं. ढोल-नगाड़ों की आवाज पर वह ट्रैक्टर पर सवार होकर गांव में दाखिल हुई. इसके बाद स्थानीय लोगों और बच्चों ने उनका अभिनंदन किया. महिलाओं के साथ राजस्थानी गानों पर डांस भी किया.

संपादकीय

हर सीट पर मोदी के नाम पर वोट

भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक चुनाव को इतना राष्ट्रीय बना दिया है कि वह लोकसभा चुनाव की तरह लगने लगा है। वह हर सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट मांग रही है। खुद प्रधानमंत्री मोदी अपनी योजनाओं और अपनी सरकार के नौ साल के कामकाज पर वोट मांग रहे हैं। अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के ऊपर मोदी और भाजपा का जो भी हमला है वह सोनिया व राहुल गांधी का नाम लेकर है। यहां तक कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाया और 'जहरीला सांप' कहा फिर भी मोदी या भाजपा के किसी बड़े नेता ने खड़गे पर पलटवार नहीं किया। उनको निशाना भी बनाया गया तो बहुत नरम तरीके से। असली हमला सोनिया और राहुल गांधी के ऊपर हुआ।

प्रदेश कांग्रेस के नेताओं पर भ्रष्टाचार तक के आरोप नहीं लगाए जा रहे हैं। सोचें, प्रधानमंत्री नेहरू गांधी परिवार पर हमला किया और कहा कि शाही परिवार जमानत पर बाहर है। उन्होंने यह नहीं कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी जमानत पर बाहर हैं। उनके ऊपर बड़े घोटालों के आरोप लगे हैं। भाजपा का चुनाव प्रचार का तंत्र ज्यादा से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री के दौरे कराना चाहता है। उनकी एक एक सभा में छह से सात विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशी आ रहे हैं और उनके क्षेत्र से लोग लाए जा रहे हैं। हर दिन के प्रचार के बाद किसी बड़े शहर में रोड शो हो रहा है, जिसमें सारे शहरी क्षेत्र कवर हो रहे हैं। अब तक बेंगलुरू और मैसुरू में प्रधानमंत्री के रोड शो हो चुके हैं। भाजपा का हर प्रत्याशी प्रधानमंत्री की फोटो के साथ वोट मांगने जा रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रत्याशी अपने और प्रदेश के तीन नेताओं- खड़गे सिद्धरमैया और शिवकुमार के नाम पर वोट मांग रहे हैं।

कांग्रेस हिम्मती और आक्रामक

कर्नाटक चुनाव की खास बात यह है कि पहली बार भाजपा रक्षात्मक है और कांग्रेस आक्रामक अंदाज में राजनीति कर रही है। देश के किसी भी राज्य में ऐसा देखने को नहीं मिला कि भाजपा अपने तय किए एजेंडे पर राजनीति करने की बजाय कांग्रेस के एजेंडे पर प्रतिक्रिया दे रही हो। कांग्रेस के तेवर कितने आक्रामक हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ थाने में जाकर मुकदमा दर्ज कराया। सोचें, देश के गृह मंत्री के खिलाफ! अब तक चुनावी भाषण को लेकर कांग्रेस चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराती थी और सबको पता होता था कि आयोग क्या करेगा। सो, इस बार कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत करने के साथ ही पुलिस स्टेशन में जाकर एफआईआर दर्ज कराई।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार और राज्य के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने थाने में रपट लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने एक भाषण में कहा था कि कांग्रेस जीतेगी तो कर्नाटक में दंगे होंगे। इस बयान के खिलाफ शिवकुमार और सुरजेवाला ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने अपनी एफआईआर में कहा है अमित शाह का बयान सामुदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाला है और भड़काऊ है। इसी तरह राहुल गांधी ने अपनी चुनावी सभा में कहा कि कर्नाटक भाजपा में उसी को टिकट मिली है, जो '40 फीसदी कमीशन' पर काम करता है। उन्होंने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी का हवाला देते हुए कहा कि उनको भाजपा की टिकट इसलिए नहीं मिली क्योंकि उन्होंने '40 फीसदी कमीशन' पर काम करने से इनकार कर दिया और यह बात भाजपा के शीर्ष नेताओं को पसंद नहीं आई।

इस बार कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का एजेंडा सेट किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को भ्रष्ट साबित करने का एजेंडा बनाया था। उन्होंने कहा था कि कर्नाटक कांग्रेस के लिए एटीएम की तरह है। वे पहले भी कह चुके हैं कि कर्नाटक से नकदी ट्रांसफर का सीधा कनेक्शन दिल्ली जुड़ा हुआ है। लेकिन इस बार मामला उलटा है। इस बार कांग्रेस ने '40

फीसदी कमीशन' वाली सरकार का हल्ला बनवाया है। राहुल गांधी के साथ साथ प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी कांट्रैक्टर एसोसिएशन की ओर से लिखी चिट्ठी का हवाला दिया, जिसमें 40 फीसदी कमीशन मांगे जाने का जिक्र था। एक ठेकेदार की आत्महत्या भी प्रचार का मुद्दा है। कांट्रैक्टर एसोसिएशन से लेकर स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन तक के आरोपों को कांग्रेस नेता दोहरा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के छोड़ दें तो यह संभवतः पहला राज्य है, जहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा दोनों प्रचार कर रहे हैं। पिछले साल के अंत में हुए चुनाव में प्रियंका ने हिमाचल में प्रचार किया था तो राहुल गांधी गुजरात गए थे। इस साल पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में चुनाव प्रचार में राहुल ही गए। कर्नाटक में राहुल गांधी पांच दिन में 10 से ज्यादा सभाएं और रोड शो कर चुके हैं। वे किसानों, मछुआरों और छात्रों से अलग अलग संवाद कर रहे हैं। राहुल गांधी भी दो दिन कर्नाटक में रहीं और कई सभाओं को संबोधित किया। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह प्रदेश है इसलिए वे भी दम लगा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को 'जहरीला सांप' कह दिया। हालांकि बाद में उन्होंने इस पर सफाई दी लेकिन भाजपा की हिम्मत नहीं हुई कि वह खड़गे पर उसी अंदाज में हमला करे। यह भी भाजपा के रक्षात्मक होने का संकेत है। भाजपा की ओर से कांग्रेस और खास कर सोनिया व राहुल गांधी को निशाना बनाया गया। खड़गे के बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि भले खड़गे ने यह बात कही है लेकिन विष गांधी परिवार का है। इसी तरह कर्नाटक में भाजपा के विधायक बासनगौड़ा ने खड़गे के बयान के लिए कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उनके 'विषकन्या' कहा। भाजपा खड़गे पर इसलिए हमला नहीं कर पा रही है कि कर्नाटक उनका गृह प्रदेश है और वे दलित हैं।

भाजपा कई और कारणों से रक्षात्मक है। वह मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं घोषित कर पा रही है क्योंकि उसे पता है कि सिर्फ लिंगायत वोट से चुनाव नहीं जीता जा सकेगा। बसवराज बोम्मई को सीएम दावेदार नहीं घोषित करने का नतीजा यह हुआ है कि लिंगायत मतदाताओं में कंफ्यूजन है। उनके सबसे बड़े नेता बीएस येदियुरप्पा इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उनके बेटे को जरूर टिकट मिली है लेकिन सबको पता है कि भाजपा जीत भी जाती है तो वे सीएम नहीं होंगे। उधर दो बड़े लिंगायत नेताओं- जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने पार्टी छोड़ी है और कांग्रेस की टिकट पर लड़ रहे हैं। इससे भी भाजपा रक्षात्मक हुई है। टिकट बंटवारे में जिस तरह से विवाद हुआ और शेट्टार ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष पर आरोप लगाए उससे भी भाजपा बैकफुट पर है। मुख्यमंत्री बोम्मई को कहना पड़ा कि शेट्टार की टिकट काटने का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया, संतोष का उससे कोई लेना देना नहीं था।

हरिशंकर व्यास

मौसम की मार- हर एक परेशान

हमें इस हकीकत को स्वीकार लेना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे जीवन को गहरे तक प्रभावित कर लिया है। इस माह के आरंभ में जहां लोग वातावरण में ठंड महसूस कर रहे थे, पहाड़ों में बर्फबारी हो रही थी और मैदानों में ओला व वर्षा जारी थी। वहीं पिछले कुछ दिनों में मौसम अचानक बदला और बात पारे के चालीस पार जाने की सामने आ गई है। यहां तक कि मौसम विज्ञानी पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में लू की चेतावनी देने लगे हैं। लू निस्संदेह, मौसम में बदलाव कुदरत का नियम है। ठंड के बाद गरमी और गरमी के बाद बरसात कुदरत के शाश्वत नियम हैं। लेकिन यह परिवर्तन निर्धारित समय के साथ धीरे-धीरे होता है। जिसमें मानव शरीर धीरे-धीरे उसके अनुकूल खुद को ढाल लेता है। ऐसा ही फसलों व फलों के वृक्षों का भी है, वे मौसम के अनुसार ही खिलते और फलते हैं। हो सकता है अंतिम वैज्ञानिक शोध निष्कर्ष बाद में आएं, लेकिन हमारी फसलों की गुणवत्ता व मात्रा में इस अप्रत्याशित मौसम से गिरावट दर्ज की जा रही है। मानव जाति के लिये यह चेतावनी है कि कुदरत का अंधाधुंध दोहन बंद करके अपनी विलासिता पर लगाम लगाए ताकि वातावरण में तापमान नियंत्रित रह सके। जिससे हम ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से बच सकें। अप्रत्याशित मौसम बदलाव का असर जहां हमारी खाद्य सुरक्षा को जोखिम में डाल रहा है, वहीं तमाम तरह की बीमारियों का भी जन्म हो रहा है। दरअसल, बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने

तथा मनुष्य की पैसा कमाने की हवस ने हमारे खाद्यात्रों व फल- सब्जियों में इतने रासायनिक पदार्थ भर दिये हैं कि आम आदमी की जीवनी शक्ति लगातार कमजोर होती जा रही है। जिसके चलते हमारा शरीर मौसम की तीव्रता को झेल पाने में सक्षम नहीं हो पाता। दो मौसमों के संधि काल में ज्यादातर लोग फ्लू आदि बीमारियों के शिकार होते रहे हैं। कोरोना संक्रमण भी कमोबेश उन्हीं लक्षणों को दर्शाता है जो मौसम में बदलाव के दौरान आम समय में उभरते रहे हैं। दरअसल, असली खोट हमारी जीवन शैली व खानपान में है। पहले कहा जाता था कि मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है। हर साल गर्मी में लू से, ठंड में शीतलहर से और वर्षा ऋतु में बाढ़ से सिर्फ गरीब ही मरता है। लेकिन अब देखने में आ रहा है कि वातानुकूलित वातावरण में रहने वाली तथा पिज्जा- बर्गर खाने वाली पीढ़ी ज्यादा मौसमी बदलावों के प्रभाव की शिकार हो रही है। विडंबना यह है कि हमने शरीर की जीवनी शक्ति कृत्रिम शक्तिवर्धक पदार्थों व रासायनिक दवाओं में तलाशनी शुरू कर दी है। हमारे सेहतमंद रहने का सिर्फ और सिर्फ एक ही उपाय है कि हम जितना प्रकृति के करीब रहेंगे, अपने आसपास पैदा होने वाले फल, सब्जी व अनाज का उपयोग करेंगे, उतना स्वस्थ होंगे। हर शहर व कस्बे की भौगोलिकता व हवा-पानी के अनुसार जिन खाद्यान्न व फलों को खाने की संस्तुति हमारे पूर्वजों ने की। थी, उसका सीधा सम्बन्ध मौसम के बदलाव के दौरान हमारे स्वास्थ्य की रक्षा से जुड़ा है ।

अजय दीक्षित

स्टेजिंग एरिया : मानवीय व्यवहार,कर्तव्य एवं संवेदनाओं का दस्तावेज

काव्यांश प्रकाशन, ऋषिकेश से मार्च 2023 में प्रकाशित मितेश्वर आनंद लिखित स्टेजिंग एरिया ने मुझे बहुत प्रभावित किया, जो पिछले दिनों मुझ तक पहुंची। नाम कुछ अलग सा दिखा, तो उत्सुकतावश इसके पृष्ठ पलटने लगा। महसूस हुआ कि पुस्तक में कोरोना काल में रामनगर, उत्तराखंड में प्रवासियों की सुविधा हेतु बनाए गए स्टेजिंग एरिया में अपनी ड्यूटी करते हुए लेखक मितेश्वर आनंद ने वहां घटी सच्ची घटनाओं का आधार लेकर कल्पना के रेशों से एक सुंदर चादर बुनी है। पृष्ठ पलटते हुए एक कहानी कपूत पर नजरें टिक गयीं। चाय की चुस्कियों के साथ कहानी का भी आस्वादन करने लगा। उस कहानी में बताया गया कि किस प्रकार एक उच्च शिक्षित बड़ा वेतन पैकेज पाने वाले व्यक्ति द्वारा क्वारंटाइन सेंटर भेजने के अधिकारियों के निर्णय का समर्थन करने पर अपनी मां को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया जाता है। इस कहानी ने मुझे पूरी किताब एक ही बैठक में पढ़ने को विवश कर दिया। दरअसल इस कहानी से कुछ नये संदर्भ खुले कि स्टेजिंग एरिया में कोरोना संकट से उपजे हालात में मानव के सामान्य व्यवहार एवं जीवन दृष्टि में हुए आमूलचूल परिवर्तन का अंकन है। इसमें मानव के कार्य-व्यवहार की परतों में दबी संवेदनाओं एवं प्रवृत्तियों के बदलाव की कथा है। इसमें करुणा, धैर्य, आत्मीयता की सुखद शीतल छांव है तो साहस, सहयोग, सहानुभूति, सहकार, शालीनता, सामंजस्य एवं समन्वय का इंद्रधनुष भी। सेवा-साधना का निर्मल भाव है तो तमाम चुनौतियों से जूझते मन में संकल्प की जाज्वल्यमान आग भी। स्टेजिंग एरिया में कोरोनाजनित आसन्नसंकट के रूप में उपस्थित मृत्यु का भय एवं डर हर चेहरे पर खुली किताब सा चस्पा था जिसे कोई भी आसानी से पढ़ सकता था। वास्तव में स्टेजिंग एरिया कोरोनाकाल का आधार लेकर रची-बुनी गई उन घटनाओं का एक प्रामाणिक दस्तावेज है जिसका लेखक स्वयं साक्षी रहा है। इसलिए कह सकते हैं कि स्टेजिंग एरिया मानवीय व्यवहार, कर्तव्य एवं संवेदनाओं का एक ऐसा कोलाज है जिसमें कोरानाकाल के वे सभी चित्र समाहित हैं जिनमें सेवा, सावधानी, सख्य, समता-समरसता के भाव प्रकट हुए हैं तो वहीं वे चित्र भी जगह पा सके हैं जिनमें अपने कर्तव्य पथ पर अविचल साधनारत कर्मचारियों के प्रति गुस्सा, व्यर्थ विवाद, दबाव बनाने की रणनीति, नियमोल्लंघन की मानसिकता एवं आधारहीन तर्क शामिल हैं। पुस्तक पढ़ते हुए पाठक उस अनजानी दुनिया से रूबरू होता है जिसे उसने कभी देखा-सुना नहीं था। वह खोखले आदर्शों, नैतिकता के पूर्वग्रहों के टूटते शिखरों से परिचित होता है तो वहीं व्यक्तियों के दोहरे आचरण, झूठे बड़प्पन से भी। सामाजिक आत्मीय सम्बन्धों एवं रिश्ते-नातों की उस खोखली बुनियाद से परिचित होता है जहां अपने संकट में साथ छोड़ देते हैं और अनजाने अपरिचित लोग जिम्मेदारी के साथ छांव बन साथ खड़े हो जाते हैं। कह सकता हूं कि स्टेजिंग एरिया कोरोना काल को लेकर एक बिल्कुल अलग एवं नवीन

दृष्टि से किया गया लेखन है जो संकट के समय व्यक्ति के व्यवहार एवं सोच में हो रहे परिवर्तन को रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह पुस्तक पढ़ी-सराही जायेगी।

स्टेजिंग एरिया में कुल 44 कहानियां हैं। लघु आलेख में सभी की चर्चा सम्भव नहीं, पर बानगी के तोर पर कुछ कहानियां उठा रहा हूं। %खौफ का मंजर% से किताब आरंभ होती है। %हमारा दफ्तर तुड़ का पेड़ प्रकृति के सान्निध्य सुख एवं संरक्षण का संकेत करती है तो गरिमामयी नेपाली दंपति व्यक्ति के शालीन व्यवहार की मिठास और महक पूरे सेंटर की हवा में घुल मानवीय व्यवहार के सात्विक पक्ष का दर्शन कराती है। ओखलकांडा से रामनगर सेंटर पहुंचे भूखे-प्यासे, थके-हारे, बेहाल, निराश वो बीस लोग एरिया से जाते समय स्नेह, कृतज्ञता, उम्मीद की चादर ओढ़ खुशी-खुशी सुरक्षित अपने घरों की ओर आशीषते हुए गाड़ियों में बैठ रहे हैं। रेड जोन मुरादाबाद से आये नव विवाहित युगल को एक साथ क्वारंटाइन करना एक मर्म स्पर्शी कहानी है। क्या उन्होंने कभी सोचा होगा कि उनके वैवाहिक जीवन का आरंभ क्वारंटाइन सेंटर में एक साथ रहने से होगा। पीपीई किट में निकाह भी इसी बुनियाद पर रची गयी है। मैं खुद पर आग घाल दूंगी कहानी परिवारिक स्नेह, आत्मीयता एवं दायित्व के सीवन की बखिया उधेड़ देती है कि किस प्रकार एक मां दिल्ली से आई बेटी को नियमानुसार सेंटर पर नहीं बल्कि होम क्वारंटाइन करने की धमकी देते हुए स्वयं को आग लगा देने की बात कहती हैं और जब रैपिड टेस्ट में बेटी पाज़िटिव निकलती है तो उसका व्यवहार बिल्कुल बदल जाता है, वह सेंटर से गायब हो जाती है। इसमें जो सवाल उभरे हैं, वे कोरोना संकट समाप्त हो जाने के बाद भी जिंदा हैं और जिंदा रहेंगे कि कैसे स्वयं के जीवन पर संकट आता देख व्यक्ति का व्यवहार बदल जाता है। ऐसी ही कहानी प्लीज हमें क्वारंटाइन कर दो है जिसमें गोवा से लौट रहे दो बेटों को मां फैसिलिटी सेंटर में दस दिन बिता देने के बाद निगेटिव रिपोर्ट लेकर आने पर ही घर में घुसने देने की बात कहती है। %नेकी कर, डांट खा भी उसी भावभूमि की है कि बेटे के दिल्ली से घर वापस आने पर खुश होने की बजाय पिता कहता है कि उसके लिए घर पर कोई जगह नहीं है। विचार करें, उस बेटे के मन में अपने पिता के प्रति कैसा भाव बना होगा। एक अन्य मार्मिक कहानी मुक्तिबोध : दादा, पिता, पुत्र जीवन की नश्वरता एवं क्षणभंगुरता का संदेश देती है कि कैसे सुशिक्षित सम्भ्रांत धनाढ्य परिवार की तीन पीढ़ी कोरोना से संक्रमित हो तीन अलग जगहों में हैं। भैया मुझे बचा लो अंतिम समय तक संक्रमण को छिपाये रखने की मानसिकता बयां करती है तो भय ही मौत, हिम्मत ही जिंदगी व्यक्ति के नकारात्मक और सकारात्मक सोच के प्रभाव और परिणाम की कथा है। दिल्ली से लौटे दो दोस्त की विषयवस्तु रुला देती है कि कैसे वे दोनों छह साल पहले एक बैग लेकर दिल्ली गये, मेहनत से अपना रेस्टोरेंट खोला और कोरोना के कारण सब कुछ गंवाकर उसी एक बैग के साथ घर लौट आते हैं, टूटे मन और खाली हाथ। अन्य कहानियां भी कोरोना काल के मानव व्यवहार परिवर्तन एवं मनोविज्ञान से पाठक को परिचित करा उसकी चिंतन दृष्टि को विस्तार देती हैं।

अंत में इतना कह सकता हूं कि इन कहानियों में जीवन की तमाम सच्चाईयों को सहेजे मन के अंतर्द्वंद्व जीवन संघर्ष के फलक पर उद्घाटित हुए हैं। मुद्रण एवं कागज अच्छा है। भाषा आमजन के परिवेश की है जो पाठक को जोड़ती है। कहानी न होकर भी कथातत्व से ओतप्रोत हर विवरण मोहक बन पड़ा है। साहित्य जगत में स्टेजिंग एरिया निश्चित रूप से न केवल अपनी पुख्ता पहचान स्थापित करेगी बल्कि पाठकों द्वारा लेखक की पूर्व बहु प्रशंसित कृति हैंडल पैंडल की भांति समादृत होगी, ऐसा मेरा दृढ विश्वास है।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा
उत्तरप्रदेश

परिस्थितियों का दास नहीं स्वामी बने

विषमताओं का संकल्प और संयम से मुकाबला करें

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा।इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी।

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे। निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं। संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

जरूरत

सुबह का दस बजा था। प्रभात जनरल स्टोर्स का बोर्ड देख कर शेखर जी ने अपनी बाइक रोकी। वह दुकान उसी समय ही खुली थी। अंदर गया। देखा। दुकान दो भागों में बँटी थी। एक तरफ प्लास्टिक, श्रृंगार, स्पोर्ट्स और अन्य घरेलू सामन रखे हुए थे। दूसरी ओर जनरल मैग्जिंस व एक से बढ़कर एक साहित्यिक पुस्तकें थी।

शेखर जी ने कुछ घरेलू सामान खरीदा। फिर सामान पैक करके दुकानदार बोला- चार सौ पच्चीस रुपये का हुआ भैया। शेखर जी ने दुकानदार को पाँच सौ रुपये का नोट दिया।

चेंज नहीं है भैयाजी आपके पास ? सौ और पाँच सौ के नोट हैं। दुकानदार ने अपने गल्ले को झाँकते हुए कहा।

नहीं। मेरे पास भी पाँच-पाँच सौ के ही हैं।

कोई और सामान रख लीजिए भैया।

और... तो कुछ नहीं चाहिए। ÷

भैया जी ! एकाध पत्रिका या पुस्तक वगैरह देख लीजिए। ÷

दुकानदार की बात पर हँसते हुए शेखर जी बोले- ÷ पत्रिका या पुस्तक को क्या करूँगा जी। ये सब मेरे लिए फालतू चीज हैं। इनकी जरूरत ही नहीं है। ÷ ÷ शैक्षणिक व धार्मिक पत्रिकाएँ हैं ये। ये साहित्यिक पुस्तकें हैं; और सस्ती भी हैं। गबन, गोदान, भारत एक खोज, श्रीकांत, मृत्युंजय, विंग्स ऑफ फायर, मैला आँचल, विवेकानंद साहित्य वगैरह हैं। ÷ दूँ ...?

नहीं... नहीं...! रहने दीजिए। घर में भी कोई नहीं हैं पढ़ने वाले।

कुछ देर बाद फिर बोले- घर में दो-चार पड़े हैं; फिर भी वो एक दे दीजिए। जरूरत की ही चीज है।

जी...! ठीक है भैया। कहते हुए दुकानदार ने एक झाड़ू निकाला।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

मैं सिर्फ तुम्हारी हूँ

मुझे पढ़ी जिसने इस जग में,
जीवन तिमिर मिटाया है।
नन्हें बालक हो या बूढ़े,
ज्ञान अमृत को पाया है।।
अक्षर अक्षर शब्द बने हैं,
मंद बुद्धि खुल जाते है।
रामायण भगवत गीता में,
भगवन दर्शन पाते हैं।।
अलग-अलग शाखाएँ मेरी,
मनुज मुझे अपनाते हैं।
कभी मित्र बन अश्रु बहाते,
अपनी व्यथा सुनाते हैं।।
रग-रग में बहते हैं मेरे,
लोरी गीत कहानी हैं।
सागर से भी गहरी मानो,
साधु संत की बानी है।।
खोलो जरा इतिहास को तुम,
राजाओं की हैं बातें।
वेद ग्रंथ अरु झलकारी की,
मुझमें सारी सौगातें।।
आज विश्व भी आगे बढ़ता,
लगती सबसे न्यारी हूँ।
नहीं धरा पर कोई अपना,
हाँ मैं सिर्फ तुम्हारी हूँ।।
कभी अकेले नहीं समझना,
आना मेरी बाहों में।
पाँव गड़े गर कंटक साथी,
फूल बिछा दूँ राहों में।।
मुझ बिन जीवन व्यर्थ तुम्हारा,
है जीवन की सच्चाई।
समझ सको तो समझो सारे,
बातों में हैं गहराई।।
हूँ किताब मैं इस दुनिया की,
जरा मुझे तुम पहचानों।
ज्ञान भरा हैं भाषाओं का,
शब्द शब्द को तुम जानो।।
लक्ष्य साध कर जो भी पढ़ते,
परछाई बन जाती हूँ।
जन्म मरण तक हर मानव के,
मैं तो साथ निभाती हूँ।।

प्रिया देवांगन प्रिय
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

सावन जइसे, बैसाख होगे

सावन जइसे मौसम हो गेहे,
असो तो बैसाख में।
रही-रही के झड़ी लगे हे,
रोज दिन अउ रात में।
करिया करिया बादर हा,
चारों खूंट अगास मा खोपे हे।
बैसाख के बेर अउ घांम ला,
जुड़ात शितात ले तोपे हे।
थिरा थिरा सांझ बिहाने,
रिम-झिम रिम झिम बरसत हे।
टोर टोरी गाना गावत हे,
कीड़ा मकोड़ा मन हरसत हे।
रतिहा सबके सुते बसे मा,
मेघराज हा धुमाल बजाथे।
सुर-सूरी कस छर-छर,
बिजली हा चमक देखाथे।
बन बहेरा अउ रुख-राई मा,
हरियर हरियर पाना आवत हे।
गरमी मा पियास अपन बुझाके
लहर लहर लहरावत हे।
फुतकी भरे सड़क,गली मा,
अड़बड़ चिखला माते हे।
नरवा ,डबरी के नरी हितागे,
जेन हा गरमी मा आंटे हे।
एखर पहिली अइसना मौसम,
नई आवत हे हमला याद में।
सावन जइसे मौसम हो गेहे,
असो तो बैसाख में।

जीवन
चन्द्राकरलाल
खपरी(अंजोरा),
दुर्ग छत्तीसगढ़

बारिश

अय बदरा तन मन को भिगो जा
वर्षों से प्यासी है ये तन और मन
सावन आने में बाँकी है कुछ दिन
प्यासी ना रह जाये मेरी तन मन
जब जब तुम नभ पे उतराये हो
मैं समझी बारिश के है ये दिन
पर पुरवाई ने तुमको है बहकाया
छोड़ दिया प्यासी मेरी दामन
सुबह से देख रही हूँ तेरी राह
कहाँ छुपे हो मेरे प्यारे सनम
आ जाना आज मेरी अँगना
कब तक प्यास बुझायेगी शबनम
कब तलक प्यासी रहेगी बसुन्धरा
नदी तालाब की कब बुझेगी प्यास
जन्म जन्म से प्यासी है ये धरती
अब तो जगा दे इनकी तुम आस
अय नील गगन के आवारा बादल
दर्द प्रकृति का भी अब समझ ले
नगमा गाने बैठा है ये दादुर
संगीत आसमां से तुँ छेड़ दे

उदय किशोर साह
जयपुर बाँका
बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

विधायक प्रतिनिधि को पुलिसकर्मियों के साथ गुंडागर्दी करना पड़ा भारी

गैर जमानती धाराओं के साथ अपराध हुआ पंजीबद्ध...आखिर क्यों साथ खड़े सहकर्मियों में साहस की कमी सार्वजनिक हो जाती है...

- इस बार सत्ता पक्ष के नेता को अपनी गुंडई करनी पड़ी भारी होना पड़ेगा फरार
- विधायक प्रतिनिधि को कहां से मिली इतनी हिम्मत की गिरेबान पकड़ कर पुलिसकर्मी को बता रहे उसकी औकात?
- सुरक्षा की दृष्टि से खड़े पुलिसकर्मी को खुलेआम विधायक प्रतिनिधि ने किया बेइज्जत,खाकी हुई थी शर्मसार
- क्या पुलिस का भय सिर्फ आम आदमी को नेताओं को नहीं?

- संवाददाता -
अम्बिकापुर/सूरजपुर,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

क्या सत्ता दल का नेता होना ही कानून तोड़ने का देता है अधिकार ? कुछ ऐसे ही घटना पर यदि हम बात करें तो विश्रामपुर थाना के अंतर्गत एक आंदोलन के दौरान एक नेता जी इतने आग बबूला हो गए कि सुरक्षा की दृष्टि से खड़े पुलिसकर्मी के साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगे, जिसका वीडियो जमकर वायरल हुआ और अब पुलिस बड़े अधिकारियों ने तो संज्ञान लेते हुए नेताजी के उपर गैस जमानती धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है अपराध दर्ज होते ही नेताजी की मुसीबतें बढ़ गई हैं, जानकारों की माने तो नेताजी को निचली अदालत से तो राहत नहीं मिलेगी और उच्च न्यायालय से भी जमानत खारिज हो सकती है जिस प्रकार से धाराएं लगाई गई हैं और जो साक्ष्य पुलिस के पास सार्वजनिक रूप से हैं उसके आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है।अब सवाल यह उठता है कि आखिर ये अधिकार नेता जी को किसने इतना शक्ति दिया की पुलिसकर्मियों पर आप हाथ आजमाने पर उतारू हो गए? पुलिसकर्मी इस घटना से काफी शर्मिंदा थे और चाह रहे थे कि उनका मान सम्मान मिले अब इस कार्यवाही के बाद कहीं ना कहीं उन पुलिसकर्मियों को न्याय मिल

सकता है, इस कार्यवाही के बाद से आगे भी पुलिसकर्मियों के साथ ऐसी घटना ना हो इसका भी ध्यान नेताजी लोग रखेंगे। सभी के सामने नेताजी ने पुलिसकर्मी के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया वह कहीं से भी उचित नहीं था, जिस पुलिसकर्मी के साथ यह घटना घटी वह काफी दुखी बताया जा रहा था पर पुलिसकर्मी के साथ जो कर्तव्य नेता जी ने किया उसकी हर तरफ निंदा हो रही थी,ऐसी हरकत नहीं होनी चाहिए थी पर अब नेताजी ठहरे सत्ता पार्टी के कुछ भी करने की उन्हें छूट जो मिली हुई है । मिली जानकारी के अनुसार बिश्रामपुर में संचालित डीएवी विद्यालय के खिलाफ भारतीय युवा कांग्रेस ने मंगलवार को डीएवी विद्यालय में जमकर हंगामा मचाते हुए प्रदर्शन किया था। इस दौरान विद्यालय की सुरक्षा लगे एएसआई राकेश यादव व प्रधान आरक्षक दरश देवांगन साथ जमकर गुंडागर्दी कर दूर्व्यवहार की गई,जिसकी वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही थी। पूरा मामला डीएवी विद्यालय प्रबंधन की तानाशाही के विरोध स्वरूप था और इसे लेकर भारतीय युवा कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन करने कांग्रेसी नेता के साथ पहुचे थे, वहाँ पहले से ही पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी, प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के नेता और विधायक प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल उर्फ बॉबी भी पहुचे और वहाँ पर दो पुलिसकर्मियों से उलझ कर जमकर गुंडागर्दी की, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा था, पुलिसकर्मियों के साथ हुए इस खुलेआम गुंडागर्दी,धमकी की वीडियो को पुलिसकर्मी एक दूसरे को भेज रहे थे। वायरल वीडियो में नीली शर्ट पहने जो शख्स दिख रहा था वह प्रेमनगर क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल उर्फ बॉबी बताया गया जो खुले आम पुलिस कर्मी का गिरेबान को पकड़ हाथापाई कर माँ बहन की गाली देकर पुलिस को अपनी औकात में रहने की धमकी देता दिखा। जानकारों की मानें तो प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों से गुंडागर्दी के इस मामले को पुलिस विभाग के कुछ आला अफसर दबाने में लगे रहे जबकि पूरे घटना की वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही थी, हर जगह अपनी खुद की किरकिरी नाक कटवाने वालो से खुद के कर्मचारियों में खासी नाराजगी देख प्रधान आरक्षक दरशलाल देवांगन की रिपोर्ट पर नेताजी के खिलाफ धारा 186, 294, 506, 333, 353 भादंस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। न्यायालयीन जानकारों ने बताया कि कभी भी नेताजी की गिरफ्तारी हो सकती है वैसे यह बताया जा रहा है कि नेताजी इस मामले को दबाने के लिए पूरी तरह से एड़ी चोटी का जोर लगा रहे थे पर अब राहत तो सिर्फ उच्च अदालत से ही मिल सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री ने की स्वच्छता दीदियों के कार्यों की तरीफ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण विभाग मंत्री टीएस सिंहदेव ने बुधवार को नगर पालिक निगम अंबिकापुर में संचालित एसएलआरएम केंद्र का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने सेनेटरी पार्क, न्यू बस स्टैंड, पटपरिया, एवं देवीगंज केंद्र में स्वच्छता दीदियों से उनके कार्य एवं समस्या के संबंध में चर्चा की। दीदियों द्वारा बताया गया कि प्लास्टिक से दाना, और सूखे कचरे की प्रोसेसिंग अच्छे से करने के कारण अब कचरे के विक्रय से आय जो पहले 5 से 6 लाख मासिक था जो अब बढ़कर 10 से 11 लाख हो गया है। दीदियों का मानदेय भी 6000 से बढ़कर 9000 हो गया है। जिस पर मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इसी तरह और भी नवाचार करते हुए मासिक मानदेय 12000 करने का लक्ष्य के साथ कार्य करते रहिए। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा निरीक्षण के दीदियों की कार्य के प्रति निष्ठा एवं केंद्र व्यवस्थित रहने पर दीदियों, निगम के जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियों के कार्य और सहभागिता की सराहना की। दीदियों द्वारा बताया गया की कई वार्ड में जिन घरों में किराएदार ज्यादा है, उन घरों में कुछ परिवार कचरा और यूजर चार्ज नहीं दे रहे है, इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने द्वारा निर्देश दिए गए कि ऐसे परिवार का चिन्हांकन करके समझाइश दिया जाए ताकि जन सहयोग के इस उत्कृष्ठ मॉडल को बरकरार रख सकें। केंद्र निरीक्षण के दौरान अजय अग्रवाल सभापति एव. उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन 20 सूत्रीय कार्यक्रम , शफी अहमद, एम आईसी सदस्य एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल, एमआईसी सदस्य शैलेंद्र सोनी, एल्डरमैन इंद्रजीत सिंह धंजल, बंटी शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, सहायक अभियंता, उप अभियांतगण सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

विस्फोटक भण्डारण के नियमों का उल्लंघन, पुलिस ने 7 मैगजीन को किया सीलबंद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

धौरपुर व रघुनाथपुर क्षेत्र में संचालित क्रशर व अवैध परिवहन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। एक तरफ क्रशर यूनियन व ठेकेदार संघ ने पुलिस पर मनमाने तरीक से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। वहीं पुलिस व खनिज विभाग ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। 1 मई को खनिज के अवैध परिवहन में लगे 7 वाहनों पर कार्रवाई की थी। इसके बाद 3 मई को नियमों का उल्लंघन होना पाए जाने पर 7 विस्फोटक भण्डारण स्थल सील कर दिया है।

आईजी राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन में जिला कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं सरगुजा पुलिस की संयुक्त टीम की ओर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर ध्रुवेश जायसवाल एवं खनिज निरीक्षक विवेक साहू, नायब तहसीलदार रवि भोजवानी एवं संयुक्त टीम द्वारा 7 विस्फोटक

भण्डारण स्थल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त टीम द्वारा आसानडीह धौरपुर स्तिथ महामाया एक्सप्लोसिव के 2 मैगजीन एवं सूरज केमिकल मैगजीन के 1 मैगजीन, दुंदु धौरपुर स्तिथ साईं मिनरल्स के 2 मैगजीन एवं कुदर धौरपुर स्तिथ मां अम्बे इंटरप्राइजेज के 1 मैगजीन, कोट रघुनाथपुर स्तिथ लक्ष्मी इंटरप्राइजेज के 1 मैगजीन मे विस्फोटक भण्डारण स्थल मे विस्फोटक अधिनियम 1884 एवं 2008 के नियमो का उल्लंघन होना पाए जाने पर सिलबंद की कार्यवाही करते हुए मैगजीन संचालको को 7 दिवस का समय देकर मैगजीन संचालन हेतु आवश्यक प्रबंध करने के दिशा निर्देश दिए गए हैं, मामले में आवश्यक प्रबंध नही किये जाने पर लाइसेंस निलंबन की अग्रिम कार्यवाही किये जाने की सुचना दी गई हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी धौरपुर निरीक्षक कैलाश मिर्रे,थाना प्रभारी लुंन्ड्रा उप निरीक्षक संदीप कौशिक, चौकी प्रभारी रघुनाथपुर सहायक उप निरीक्षक दिलीप दुबे एवं पुलिस एवं प्रशासन की टीम शामिल रही।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 03 मई 2023
(घटती-घटना)।

शादी में शामिल होने जा रहे बाइक सवार युवक को बस ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए शहर के मिशन अस्पताल में भर्ती करवाया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुदामा यादव पिता परमेश्वर यादव उम्र 30 वर्ष प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दूरती का रहने वाला था। वह गांव में ही अपनी बुआ के घर शादी में शामिल होने बाइक से 2 मई की शाम को जा रहा था। गांव में ही सूरज नामक बस ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए प्रतापपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिजन उसे मिशन अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

12 लीटर महुआ शराब व 120 किलो महुआ लहान के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

आबकारी विभाग के उडऩदस्ता दल ने शहर के महामाया पारा नावागढ़ में छापेमारी कर 12 लीटर महुआ शराब व 120 किलो महुआ लहान के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग के उडऩदस्ता दल कोतवाली थाना अंतर्गत महामाया पारा नवागढ़ अवैध महुआ शराब तैयार कर बेचने की जानकारी मिली थी। टीम ने 3 मई को नवागढ़ निवासी योगेश सारथी के घर छोमपरी की। छापेमारी में योगेश के कब्जे से 12 लीटर महुआ शराब 120 किलो महुआ लहान बरामद किया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी योगेश सारथी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क च, 34(2) एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। संपूर्ण कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता द्वारा की गई। इस दौरान प्रधान आरक्षक रमेश दुबे, कुमारू राम एवं आरक्षक अशोक सोनी, रामाधार कुशवाहा, गणेश पांडे एवं महिला सैनिक राजकुमारी उपस्थित रहे।

अत्यधिक शराब सेवन करने से युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

अत्यधिक शराब सेवन करने से एक युवक की तबियत विगड़ गई। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शिवप्रसाद पिता स्व. अमर साय उम्र 46 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरी चरकपुर का रहने वाला था। वह शराब पीने के आदि था। वह पिछले एक माह से अंबिकापुर चठिरमा में रहकर मजदूरीका काम करता था। वह 2 मई को घर गया था और शराब सेवन किया था। रात में उसकी तबियत विगड़ गइ। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करावाया। यहां कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

समिति से धान गबन के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को भेजा जेल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

धान खरीदी उपकेंद्र पुहपुटरा में समिति प्रभरी अन्य द्वारा 1550 क्विंटल धान समिति से गबन किया गया था। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। बुधवार को पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लखनपर प्रभारी कमल नयन पांडेय ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि धान खरीदी उपकेन्द्र पुहपुटरा में समिति प्रभारी संजय राजवाड़े, देवरूप राजवाड़े एवं अन्य व्यक्ति द्वारा धान खरीदी में अनियमितता बरतते हुए 1550 क्विंटल धान कुल कीमत 31 लाख 62 हजार समिति से गबन किया गया था। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच के बाद पूर्व में आरोपी संजय राजवाड़े को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। वहीं इस मामले में दूसरे आरोपी देवरूप राजवाड़े साकिन पीपरखर लखनपुर की भी बुधवार को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने देवरूप राजवाड़े के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल एवं 2 नग चेक बरामद किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक भोज कुमार गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक अरुण गुप्ता,प्रधान आरक्षक अनिल कामरे आरक्षक देवेंद्र सिंह, ज्ञान तिग्गा एवं पुलिस स्टाफ शामिल रहे।

महाराष्ट्र से दो नाबालिगों को बरामद कर परिजन को सौंपा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2023 (घटती-घटना)।

अभियान गुंज के तहत सरगुजा पुलिस ने दो नाबालिग बालिकाओं को दस्तायाब कर परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने दोनों को महाराष्ट्र से बरामद किया है। जानकारी के अनुसार आईजी राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में गुम नाबालिग बालक, बालिकाओं के

दस्तायाबी हेतु विशेष अभियान 'गुंज' चलाकर नाबालिगों को बरामद करने के दिशा निर्देश अपराध समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षकस्मृतिक राजनाला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन के नेतृत्व मे प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत देवांगन एवं विशेष पुलिस टीम द्वारा गुम नाबालिगों के मामलों में दस्तायाबी हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा था, जो मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष गठित टीम नाबालिगों की दस्तायाबी हेतु महाराष्ट्र रवाना हुई थी, जो पुलिस टीम के सतत प्रयास से ÷गुंज÷ अभियान अंतर्गत 2 गुम नाबालिग बालिकाओं की दस्तयाबी कर परिजनों के सुपुर्द किया गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लुंड्रा उप निरीक्षक संदीप कौशिक, सहायक उप निरीक्षक महेंद्र सिंह, प्रआर जितेंद्र भगत, महिला आरक्षक संगीता बड़ा, आरक्षक निरंजन बड़ा, विकास कुमार शामिल रहे।

शहर के नालियों के ऊपर ढक्कन नहीं,लोगों को हो रही परेशानी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 03 मई 2023
(घटती-घटना)।

आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व कार्यकर्ताओं ने नगर निगम आयुक्त महोदय को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि आये दिन शहर के कई हिस्सों के नालियों की स्थिति बत से बत्तर होती जा रही है। बढ़ती गन्दगी के कारण उसके आसपास के लोग काफी परेशान हो रहे हैं। यहां तक की शहर के कई हिस्सों में नालियों के ऊपर का ढक्कन ही नही लगा है जिससे कि आये दिन उनमें कचड़े भर जाते हैं, नालियां जाम हो जाती हैं। उनमें से बदबू एवं कीड़े-मकोड़े निकलने लगते हैं। कई महीने हो जाते हैं कई जगह की नालियों की साफ-सफाई भी नही होती है। मुख्य रूप से शहर में चौपाटी के पास की नालियों की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है जहां ढक्कन न लगने से उनमें कचडे भर जाते हैंउसमे ही बदबू आती है एवं बीमारी की संभावना भी बनी रहती है। शहर के सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई हेतु तत्पर रहते हैं परन्तु अभी भी शहर के कई हिस्से हैं जहां नालियों के आजु-बाजू में सफाई नही होती है। गैर राजनीतिक दल आजाद सेवा संघ द्वारा यह मांग किया गया कि नालियों के साफ-सफाई का कार्य 3-4 दिवस के अंतराल में कराया जाए एवं जहां नालियों के ऊपर ढक्कन नहीं लगे हैं वहां ढक्कन लगवा कर उन्हें सुरक्षित किया जाए जिससे उनमें कचड़ा न भरे साथ ही साफ-सफाई बनी रहे। नगर निगम अधिकारी द्वारा जहां ज्यादा गन्दगी है उन स्थानों पर सफाई कराए जाने की आश्वासन दी गयी। इस दौरान संघ के अभिनव चतुर्वेदी, प्रतीक गुप्ता, सानिया, संजय बड़ा, शुभम आदि सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश लेने पलकों का उमड़ा सैलाब

- संवाददाता -
सूरजपुर,03 मई 2023 (घटती-घटना)।

आपको बता दें कि प्रदेश की भूपेश सरकार प्रदेश में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए प्रदेश के कई जिलों पर गुणवत्ता युक्त इंग्लिश मीडियम आत्मानंद स्कूल खोलकर ग्रामीण एवं शहरी मध्यवर्गीय गरीब परिवार के बच्चों गुणवत्ता युक्त निशुल्क शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है जिससे बच्चे आगे चलकर अपना भविष्य निखार सके द्य उनके इस कदम से यह देखने को मिल रहा है की अंबिकापुर सरगुजा जिले के स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालयों में बच्चों के प्रवेश हेतु 15 दिन बीत गए हैं आज भी जिले के सभी विद्यालयों में आवेदन हेतु अभिभावकों की भीड़ उमड़ रही है। इस बार ऑफलाइन तथा ऑनलाइन दोनों तरीके से फॉर्म भरा जा रहा है। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय केशवपुर के प्राचार्य संतोष कुमार साहू ने ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभिभावकों से अपील कर कहा है कि ऑनलाइन आवेदन का प्रिंट निकाल कर सभी आवश्यक दस्तावेज के साथ विद्यालय में नियत तिथि 5 मई तक जमा करें। ताकि उनके फॉर्म का परीक्षण कर कमियों का निराकरण किया जा सके। उन्होंने बताया कि अभी तक विद्यालय में ऑफलाइन से 560 आवेदन तथा ऑनलाइन से 111 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सिर्फ कक्षा पहली में ही आवेदनों की संख्या 190 से अधिक है। उन्होंने प्रवेश हेतु आवेदनों की संख्या को देखते हुए अनुमान लगाया कि राज्य के निर्देशानुसार लॉटरी द्वारा चयन प्रक्रिया का पालन करना होगा।

CMYK

14 महीने से जारी युद्ध में अब तक क्या हुआ, यूक्रेन और रूस ने क्या खोया क्या पाया?

नई दिल्ली , 03 मई 2023। एक साल से भी ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ी खबर आई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हत्या की साजिश रचे जाने का दावा किया गया है। यह दावा रूस की तरफ से ही किया गया है। मॉस्को का कहना है कि यूक्रेन ने क्रेमलिन पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। क्रेमलिन ने इसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है और जवाब देने के उसके अधिकार तहत कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को एक साल से भी ज्यादा हो गए हैं। पिछले साल 24 फरवरी के दिन से दोनों देशों के बीच भीषण जंग शुरू हुई। अभी भी ये जंग जारी है। दोनों में से कोई भी देश पीछे हटने को तैयार नहीं है। ऐसे में आइए जानते हैं कि अब तक क्या-क्या हुआ? कितने लोगों की मौत हुई? यूक्रेन में कितनी तबाई हुई? जंग कब तक चलेगी?

जब कीव पर हवाई हमले होने लगे

23 फरवरी 2022 की रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन का एलान किया। चंद घंटे बाद यानी 24 फरवरी की तड़के सुबह अचानक यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के शहरों में हवाई हमले होने लगे। रूस के इस हमले से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। यूक्रेन का साथ देने के लिए नाटो सदस्य देश खड़े हो गए। अमेरिका, ब्रिटेन, पोलैंड, फ्रांस समेत कई देशों ने युद्ध से बाहर रहते हुए यूक्रेन को मदद पहुंचानी शुरू कर दी।

एक साल में तीन लाख से ज्यादा लोग मारे गए

रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए लोगों का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है। रूस की तास न्यूज एजेंसी का दावा है कि 3,00,000 यूक्रेनी सैन्यकर्मियों मारे गए हैं। वहीं, व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा कि दिसंबर के बाद से रूस में 20,000 से अधिक सैनिक मारे गए हैं। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के अनुसार, 24 फरवरी, 2022 से 3 मई, 2023 तक, यूक्रेन के रक्षा बलों ने 191,940 रूसी आक्रमणकारियों को ढेर कर दिया। दोनों तरफ से लाखों जवान और नागरिक लापता भी हैं।

यूक्रेन पर कितना कब्जा कर पाया रूस?

रूस अब तक यूक्रेन के मैरियूपोल, दोनेत्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क पर पूरी तरह से कब्जा कर चुका है। युद्ध के बाद रूस ने माइकोलाइव और खारकीव पर भी कब्जा कर लिया था। हालांकि, बाद में यूक्रेनी सेना ने रूस को जोरदार टक्कर देते हुए इन दोनों राज्यों पर वापस कब्जा जमा लिया। अभी भी कई राज्यों में रूस और यूक्रेन के बीच आक्रामक युद्ध जारी है।

हालांकि, ये वही राज्य हैं, जो रूस से सटे हुए हैं। नए शहरों पर कब्जा करने के साथ-साथ रूसी सैनिक अपने इलाकों की रक्षा में जुटी यूक्रेनी सेनाओं पर तोप से गोले बरसा रहे हैं। उन पर रॉकेटों से भी हमला हो रहा है। रूस इस वक्त दो तरफ से उत्तर में आइजम और पश्चिम में सेवेरदोनेत्स्क से हमला कर रहा है।

यूक्रेन की मदद को कई देशों ने बढ़ाया हाथ

रूसी हमले के विरोध में अमेरिका समेत दुनिया के कई देश यूक्रेन के साथ आ गए। अभी दुनिया के 80 से ज्यादा देशों से यूक्रेन को अलग-अलग तरह से मदद मिल रही है। इनमें 31 देश ऐसे हैं, जो यूक्रेन को घातक हथियार और मिसाइलें दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सोमवार को ही यूक्रेन पहुंचे। यहां उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। इसके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस समेत कई अन्य देशों के राष्ट्रपति और राष्ट्राध्यक्ष भी यूक्रेन का दौरा कर चुके हैं।

कौन-कौन सा देश किस तरह से यूक्रेन की मदद कर रहा?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक अमेरिका ने यूक्रेन को एक हजार मिलियन यूएस डॉलर के हथियार दिए हैं। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन की तरफ से एक हजार मिलियन यूएस डॉलर की लीथल एड दी गई है। ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड, जर्मनी, समेत कई देश यूक्रेन को हथियार सप्लाई कर रहे हैं।

अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, 2014 से अब तक यूएस ने यूक्रेन में रक्षा संसाधनों को मजबूत करने के लिए 30.4 बिलियन डॉलर से ज्यादा की रकम खर्च किया है। 2014 में भी रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। बाइडेन एक बार फिर से यूक्रेन पहुंचे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जो बाइडन ने कीव के दौरे के दौरान यूक्रेन को 50 करोड़ डॉलर (500 मिलियन डॉलर) की अतिरिक्त सैन्य सहायता देने की घोषणा की है। %द कनवरसेशन% की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने दस करोड़ से ज्यादा गोले-बारूद यूक्रेन को दिए हैं। इसमें राइफल्स, तोप, हैंडगन शामिल हैं। इनके अलावा कनाडा, ग्रीस, लिथुआनिया, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवेनिया जैसे देशों से भी इस तरह के हथियार यूक्रेन को मिल रहे हैं।

युद्ध का दूसरे देशों पर क्या असर पड़ा?

युद्ध शुरू होने के कुछ दिन बाद ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतों में उछाल आई। कच्चा तेल 140 डॉलर प्रति बैरल के करीब जा पहुंचा जो 2008 के बाद कच्चे तेल के दामों का सबसे ऊंचा स्तर था। गैस के दामों से लेकर स्टील, एल्युमिनियम, निकेल से लेकर सभी कमोडिटी के दाम आसमान छूने लगे। इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर देखा गया। वैश्विक महंगाई आसमान छूने लगी। युद्ध के चलते सप्लाई चेन पूरी तरह से बाधित हो गई। यूक्रेन पर हमला बोलने के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया जिससे रूस को आर्थिक तौर से नुकसान पहुंचाया जा सके।

अब आगे क्या?

इसे समझने के लिए हमने विदेश मामलों के जानकार डॉ. आदित्य पटेल से बात की। उन्होंने कहा, %फिलहाल दोनों देशों के बीच सुलह की कोई संभावना नहीं दिख रही है। रूस और यूक्रेन दोनों पीछे हटने को तैयार नहीं है। यूक्रेन को अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों का साथ मिल रहा है तो रूस भी अपने कदम पीछे नहीं हटाना चाहता है। ऐसे में युद्ध रुकने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति भी अचानक यूक्रेन पहुंचे। यहां उन्होंने यूक्रेन को हर तरह से मदद करने का भरोसा दिला दिया है। इससे रूस फिर भड़क गया है।

मार्च में बखमुट को हथियाने का दावा

रूस-यूक्रेन को 24 फरवरी 2023 को एक साल हो गए फिर भी युद्ध रुका नहीं। इसके बाद मार्च का महीना भी दोनों सेनाओं के लिए घातक साबित हुआ। बखमुट क्षेत्र में भीषण लड़ाई जारी रही, हर पक्ष बार-बार दावा करता रहा कि पूर्वी शहर पर उनका नियंत्रण है। पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों का दावा है कि यूक्रेनी बलों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इस बीच, यूक्रेन को पश्चिमी भारी टैंकों की पहली डिलीवरी मिली, जिसमें ब्रिटिश चैलेंजर्स और जर्मन लेपर्ड देश के सशस्त्र बलों के लिए एक अहम रहे। पोलिश फाइटर जेट भी इसे हासिल हुए।

इसी दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने रूसी समकक्ष पुतिन से मुलाकात की। यह दौरा तब हुआ जब पश्चिमी देश आशंका जता रहे थे कि मास्को के लिए बीजिंग घातक सैन्य सहायता की आपूर्ति शुरू कर देगा।

अप्रैल में फिनलैंड ने दिया रूस को झटका

अप्रैल महीने की शुरुआत में रूस को झटका देते हुए फिनलैंड नाटो समूह में आधिकारिक रूप से शामिल हो गया। इस महीने रूस ने अपने सैन्य मसौदे नियमों को कड़ा कर दिया। इसने सैनिकों को देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया और सर्विस के लिए गैरमौजूद रहने वालों के लिए दंड बढ़ा दिया।

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय की खुफिया जानकारी के अनुसार, रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेनी शहर पर अपना हमला तेज कर दिया, जिससे बखमुट की लड़ाई फिर से तेज हो गई। रूस ने स्लोवियांस्क के पूर्वी यूक्रेनी शहर पर भी बमबारी की, एक आवासीय क्षेत्र पर हमला किया और एक दर्जन से अधिक नागरिकों की मौत हो गई। उधर रूस के सीमावर्ती शहर बेलगॉरॉड में, एक ताप विद्युत संयंत्र में ड्रोन हमला हुआ।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने चीन का दौरा किया और एक संयुक्त बयान में कहा कि वे यूक्रेन में युद्ध को बातचीत के जरिए समाप्त करना चाहते हैं। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शिम्हाल ने वाशिंगटन का दौरा किया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने वाशिंगटन में विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक सम्मेलन में ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इससे पहले, अमेरिकी सीनेटरों का एक प्रतिनिधिमंडल कीव में जेलेंस्की से मिला।

पुतिन पर ड्रोन हमले की कोशिश! रूस का यूक्रेन पर हत्या की साजिश रचने का आरोप

कीव, 03 मई 2023। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हत्या की साजिश रचे जाने का दावा किया गया है। दावा रूस की तरफ से ही किया गया है। रूस का कहना है कि यूक्रेन ने क्रेमलिन पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। क्रेमलिन ने इसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है और जवाब देने के उसके अधिकार तहत कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी है।

क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि दो मानवरहित व्हीकल (ड्रोन) को रूस की ओर भेजा गया था। उनके निशाने पर राष्ट्रपति पुतिन का आवास था। ड्रोंस को मार गिराया गया है। हम इसे एक सुनियोजित आतंकवादी कृत्य मानते हैं। यह रूसी संघ के राष्ट्रपति की जान लेने का एक प्रयास था। हमले में पुतिन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। रूस ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के काम करने का कार्यक्रम नहीं बदला गया है। यह हमेशा की तरह जारी रहेगा। हम जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार के तहत काम करेंगे। मौजूदा हालात को देखते हुए यही सह है।

यूक्रेन ने किया आरोपों का खंडन

क्रेमलिन पर रूस के ड्रोन हमले के आरोपों पर यूक्रेन ने भी प्रतिक्रिया दी। यूक्रेन ने कहा कि रूस बड़े पैमाने पर आतंकी हमले की तैयारी कर रहा है। यूक्रेन किसी भी हमला नहीं करता। हम अपनी रक्षा के लिए युद्ध लड़ रहे हैं। हम रूसी संघ के क्षेत्र पर हमला नहीं करते।

क्या है मामला?

दरअसल, पुतिन की हत्या करने की साजिश के तहत रूसी राष्ट्रपति के आवास क्रेमलिन पर ड्रोन से हमले की कोशिश की गई। इसका आरोप यूक्रेन पर लगा है। राहत की बात यह है कि पुतिन को कोई नुकसान नहीं हुआ है। वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। हमले की कोशिश बीती रात की गई। क्रेमलिन का कहना है कि नौ मई को विक्ट्री डे परेड से पहले हमले की कोशिश की गई है। हमले के बावजूद नौ मई को होने वाली विक्ट्री डे परेड तय समय पर होगी।

न्यूयॉर्क में सबवे के अंदर भिड़े दो यात्री, 15 मिनट तक एक दूसरे से लड़ते रहे; दम घुटने से एक की मौत

न्यूयॉर्क ,03 मई 2023। न्यूयॉर्क में मेट्रो (सबवे) में दो व्यक्तियों की मारपीट में एक व्यक्ति की मौत होने की घटना सामने आई है। घटना सोमवार की बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि मृतक व्यक्ति सोमवार को अचानक सबवे में घुस गया था और आक्रामक भाषण देने लगा। उसी दौरान एक व्यक्ति ने उसे रोकने की कोशिश की और उसे वश में करने और शांत करने के लिए हाथ से उसका गला (रियर नेकेड चोकहोल्ड) दबाया। इसी दौरान उस व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना का वीडियो बनाने वाले जुआन अल्बर्टो वाज़क्वेज़ एक स्वतंत्र पत्रकार हैं। उन्होंने यह वीडियो अपने फेसबुक एकाउंट पर शेयर भी किया है। रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि मृतक व्यक्ति की पहचान जारी नहीं की गई है। साथ ही घटना के गवाहों ने कहा है कि मृतक व्यक्ति सबवे में अन्य यात्रियों के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहा था।

घटना के वीडियो में दिख रहा है कि जब मृतक व्यक्ति सबवे में भाषणबाजी कर रहा था तब उसे रोकने के लिए एक व्यक्ति आगे आता है, जिसकी उम्र 24 साल थी। इसके अलावा, दो व्यक्ति मृतक व्यक्ति को वश में करने की कोशिश कर रहे हैं और वह उन्हें पैरों से लात मार रहा है। वीडियो बनाने वाले स्वतंत्र पत्रकार ने बताया कि यह मारपीट करीबन 15 मिनट तक चली। उस दौरान, ट्रेन ब्रॉडवे-लाफायेट स्टेशन पर रुकी। उस बीच, ट्रेन की गाड़ी के अंदर के सभी यात्री चले गए, सिवाय उन तीन के जो मृतक यात्री को वश में करने का काम कर रहे थे।

न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) ने कहा कि सबवे में लड़ाई को लेकर दोपहर 2:25 बजे के आसपास 911 पर कॉल करके पुलिस को ब्रॉडवे-लाफायेट स्टेशन पर बुलाया गया। हालांकि अधिकारी जब पहुंचे तो वह व्यक्ति फर्श पर बेहोश पड़ा था। पुलिस ने कहा कि चोकहोल्ड में व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। किसी ने नहीं सोचा था कि वह आदमी मर जाएगा।

रिपोर्ट्स में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हवाले से कहा गया है कि उसे रोकने के लिए गए 24 वर्षीय युवक से पुलिस ने हिरासत में पूछताछ की और छोड़ दिया। इसमें कहा गया है कि आदमी पर आरोप नहीं लगाया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

म्यांमार के सैनिक शासकों का मनोबल बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है चीन

यंगून, 03 मई 2023। जिस समय म्यांमार में गृह युद्ध तेज हो गया है और मानवाधिकारों के हनन की घटनाएं बढ़ रही हैं, चीन के विदेश मंत्री चिन गांग ने यहां आने का फैसला किया। पर्यवेक्षकों की राय है कि इस यात्रा को म्यांमार के सैनिक शासक अपने लिए समर्थन के रूप में देखेंगे और इससे उनका मनोबल बढ़ेगा।

विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि फरवरी 2021 में म्यांमार में सैनिक तख्ता पलट के बाद पहली बार किसी चीनी विदेश मंत्री ने म्यांमार की यात्रा की है। चिन मंगलवार को यहां पहुंचे और सैनिक शासन के विदेश मंत्री से बातचीत की। चिन ने सैनिक शासक मिन आंग हलांयग से भी मुलाकात की। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस दौरान चिन ने मिन के साथ म्यांमार की राजनीतिक स्थिति की समीक्षा की। साथ ही दोनों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के मुद्दे पर बातचीत हुई।

वेबसाइट निक्क ईएशिया.कॉम की एक रिपोर्ट में ध्यान दिलाया गया है कि चीनी विदेश मंत्री ने उस समय म्यांमार जाने का फैसला किया है, जब वहां सैनिक शासन विरोधी समूहों का दमन तेज हो गया है। देश के कई हिस्सों में गृह युद्ध जैसी स्थिति है। विद्रोही गुटों के खिलाफ सैनिक शासकों ने हवाई बमबारी तक का इस्तेमाल किया है। पिछले महीने ऐसी लंबी बातचीत की।

घटनाओं में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई। इन घटनाओं कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय म्यांमार पर दबाव बढ़ाने के प्रयास में है।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक चीनी विदेश मंत्री ने यहां आने के बाद कहा कि उनकी यात्रा का मकसद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह दिखाना है कि चीन म्यांमार के साथ है। सैनिक शासन ने हाल ही में थान स्वे को अपना विदेश मंत्री नियुक्त किया था। थान ने चिन के साथ

विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने के बाद उनकी सरकार ने म्यांमार के सैनिक शासकों के साथ अपना रिश्ता मजबूत करने पर खास जोर दिया है। चिन गांग की मौजूदा म्यांमार यात्रा को इसी सिलसिले में देखा जा रहा है। यंगून पहुंचने से चिन पहले दोनों देशों की सीमा के पास की एक जगह पर रुके। वहां उन्होंने चीन-म्यांमार इकॉनमिक कॉरिडोर का काम की गति तेज करने की इच्छा जताई। चीन-म्यांमार इकॉनमिक कोरिडोर चीन की महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजना का हिस्सा है। इसके जरिए चीन के प्रांत यूनान को हिंद महासागर के रास्ते म्यांमार से जोड़ने वाला मार्ग तैयार किया जा रहा है।

सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने स्कूल में की गोलीबारी, आठ बच्चों समेत सुरक्षाकर्मी की मौत

नई दिल्ली,03 मई 2023। सर्बिया के एक स्कूल में एक किशोर छात्र द्वारा गोलीबारी करने की खबर आई है। इस गोलीबारी में आठ बच्चों समेत एक सुरक्षा कर्मी की मौत हो गई है। सर्बिया पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोलीबारी सेंट्रल बेलग्राड के व्लादिस्लाव रिबनिकर स्कूल में यह घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे हुई।

गोलीबारी में पांच लोग हुए घायल

रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र है, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। आरोपी 14 साल का किशोर है, जिसने अपने पिता की बंदूक से अन्य छात्रों पर गोलीबारी की। घटना में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। घटना की सूचना पाकर बच्चों के माता-पिता बेहद घबराए हुए हैं।

घटना के बाद पुलिस ने स्कूल की घेराबंदी कर ली है। सर्बिया में इस तरह गोलीबारी की घटना दुर्लभ है क्योंकि सर्बिया में बंदूकों का लाइसेंस पाने के लिए कड़े नियम हैं। हालांकि पश्चिमी बाल्कन में 90 के दशक में हुई लड़ाई के चलते वहां भारी संख्या में अवैध हथियार हैं।

बड़ी तेजी से बिगड़ रही है नेपाल की आर्थिक स्थिति, देश में ऋण मिलना हुआ मुश्किल

काठमांडो, 03 मई 2023। नेपाल की अर्थव्यवस्था पर राजनीतिक अस्थिरता और अस्थिर आर्थिक नीतियों का बहुत बुरा असर हुआ है। नतीजतन, सरकार को लगातार आर्थिक वृद्धि का अपना अनुमान गिराना पड़ रहा है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत में तत्कालीन सरकार ने बढ़-चढ़ कर यह एलान किया था कि नेपाल की आर्थिक वृद्धि दर इस साल आठ फीसदी रहेगी। लेकिन छमाही समीक्षा के बाद यह अनुमान गिरा कर चार फीसदी कर दिया गया। नेपाल में वित्त वर्ष 16 जुलाई से शुरू होता है।

छमाही समीक्षा के बाद अर्थशास्त्रियों ने कहा था कि सरकार ने जो नया अनुमान घोषित किया है, वह हकीकत से बहुत ज्यादा है। अब देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने कहा है कि अर्थव्यवस्था 1.86 फीसदी से ज्यादा की दर हासिल नहीं कर पाएगी। कार्यालय ने एक बयान में कहा- 'अर्थव्यवस्था की यही असली सूरत है।'

विशेषज्ञों के मुताबिक यह पहला मौका है, जब राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने अपने अनुमानित विकास दर को एशियन डेवलपमेंट बैंक, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों के अनुमान से भी नीचे कर दिया है। कार्यालय के मुख्य सांख्यिकीविद् राम प्रसाद थपलिया ने कहा- 'हमने अपने निष्कर्ष सामने रखे हैं। हमारे आकलन का निष्कर्ष यह है कि देश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है।'

जानकारों के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद नेपाल ने ऊंची आर्थिक वृद्धि दर हासिल की। लेकिन उसके साथ ही देश राजनीतिक अस्थिरता का शिकार हो गया। पिछले साल सरकार ने चुनाव को ध्यान में रख कर कुछ फैसले लिए, जिनका खराब दूरगामी असर हुआ है। अब स्थिति यह है कि इस साल 15 जुलाई को जब मौजूदा वित्त वर्ष खत्म होगा, तब देश की अर्थव्यवस्था का कुल आकार 5.38 खरब रुपये ही होगा।

पाकिस्तान में आम चुनाव की तारीख पर सहमति बनना है सबसे मुश्किल

इस्लामाबाद,03 मई 2023। पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच मंगलवार देर रात पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने पर सहमति बन गई। यानी दोनों पक्ष इस बात पर राजी हो गए कि नेशनल असेंबली और चारों प्रांतों की असेंबलियों के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। लेकिन ये चुनाव कब होंगे, इस पर मतभेद बने हुए हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक विवाद का असल मुद्दा चुनाव की तारीख ही है। इस लिहाज से अभी बनी सहमति सिर्फ शुरुआती है।

चुनाव की तारीख को लेकर सत्ता पक्ष और पीटीआई के बीच बातचीत पिछले हफ्ते शुरू हुई थी। अभी बनी सहमति का पहला असर यह होगा कि 14 मई को होने वाले पंजाब की प्रांतीय असेंबली के चुनाव टल जाएंगे। यह तारीख पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग की चुनाव न कराने की इच्छा के खिलाफ जाकर तय की थी। तभी सुप्रीम कोर्ट ने पीडीएम और पीटीआई से कहा था कि बेहतर होगा कि दोनों पक्ष चुनाव की तारीफ पर बातचीत से सहमति बना लें।

मंगलवार को बातचीत देर रात तक चली। उसके बाद बातचीत में सरकार की टीम का नेतृत्व कर रहे वित्त मंत्री इशहाक डार ने पत्रकारों को बताया कि आम चुनाव की तारीख पर सहमति नहीं बन सकी है। लेकिन दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हो गए हैं कि सारे देश में चुनाव एक साथ कराए जाएं। उन्होंने कहा कि इस मामले में दोनों पक्षों ने अपने रुख में लचीलापन दिखाया। उन्होंने कहा- 'अगर दोनों पक्ष गंभीरता से आगे बढ़े, तो इस बात की आशा की जा सकती है कि बातचीत का अगला दौर भी सफल रहेगा।'

पाकिस्तान के संसद भवन में हुई बातचीत में पीटीआई की टीम का नेतृत्व पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने किया। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता फव्वाद चौधरी और सीनेटर अली जफर भी शामिल हुए। पत्रकारों से बातचीत में कुरैशी ने कहा कि पीडीएम सारे देश में एक साथ चुनाव चाहता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी राजनीतिक दलों से अपने रुख में लचीलापन लाने को कहा था, ताकि चुनाव के समय को लेकर कोई ठोस फैसला हो सके। कुरैशी ने कहा- 'हालांकि बातचीत में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन दोनों पक्ष संविधान का आदर करने पर सहमत हुए हैं। अब वे बीच का ऐसा रास्ता तलाश करेंगे, जिसका कोई पक्ष उल्लंघन ना करे।'

कुरैशी ने कहा कि पीटीआई पंजाब और खैबर पख्तूनवा में फिलहाल चुनाव टालने के लिए संविधान में संशोधन के लिए राजी हो गई है। लेकिन यह संशोधन सिर्फ एक बार के लिए होगा। पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक किसी भी सदन के भंग होने पर 90 दिन के अंदर उसका चुनाव कराना जरूरी है। पंजाब के मामले में इस समयसीमा का पहले ही उल्लंघन हो चुका है।

नगर पालिका क्यों है एक फर्म पर मेहरबान...एसओआर से भी अधिक दर पर दिया काम...उसमें भी गड़बड़झाला क्यों ?

» पार्षद की शिकायत के बाद मामला हुआ उजागर अब देखना है की जांच होगी या नहीं ?

» मामला कोरिया जिले के नगर पालिका शिवपुर चरचा का पार्षदों के शिकायत के बाद जाँच के निर्देश

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 03 मई 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नगर पालिका परिषद शिवपुर चरचा के हृदयस्थल व प्रमुख मार्गो के सीसी सड़क व मोहल्लों के नाली निर्माण में लाखो का गड़बड़ झाला सामने आया है। जहा लगभग एक करोड़ के निविदा में एक ही फर्म को एसओआर से आठ से दस प्रतिशत अधिक दर में कार्य दिया गया जिससे एक ही फर्म को कार्य मिलने से गड़बड़झाला की सुगबुगाहट है वही ठेकेदार द्वारा नाली निर्माण में लाखों का बजट होने के बाद भी कांक्रीट से नाली का निर्माण न कर प्रतिबंधित इट से नाली निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा कराने से नगर

पालिका के अधिकारी व इंजीनियर की भूमिका को लेकर भी सवाल उठना लाजमी हैं कि आखिर इनकी नजर अब तक इन निर्माण कार्यों में क्यो नही पढ़ी वही अब पार्षदों के शिकायत के बाद नगर पालिका अधिकारी जाँच की बात कह रहे हैं। जबकि ठेकेदार ने ज्यादा मुनाफे के चक्कर में कांक्रीट की नाली बनाने के बजाय प्रतिबंधित इट से ही नाली बना दिया वही स्लैब ढलाई में भी छड़ चोरी की बात आम है। साथ ही सीसी सड़क में भी गुडवत्ता का ध्यान नही रखा गया और लगभग करोड़ो के निर्माण कार्य का खर्च भी आधा बचाने के जुगाड़ में है। यह स्थिति तब है जब इस ठेकेदार फर्म श्री गणेश सेल्स चरचा को यह ठेका स्वीकृत दर से लगभग आठ से दस प्रतिशत ज्यादा में मिला है। नगरपालिका द्वारा कराए जाने वाले ज्यादातर निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहे हैं। नतीजा वे अपनी परफारमेंस गारंटी की मियाद पूरी किए बिना ही धराशायी हो रहे हैं। सीसी सड़क, छठ घाट, भवन चौपाटी तथा नाली निर्माण जैसे करोड़ों के विकास कार्य नगर में हो रहे हैं मगर इनके निर्माणकाल के दौरान ही इनके टूटने व गुडवत्ता विहीन निर्माण होने की खबरें लगातार आ रही हैं। पूरे मामले में जिला प्रशासन की चुप्पी से आमजनता हैरत में है।

अधिकारी बचते रहे सवालों से

निर्माण कार्य में बरती जा रही इस घोर अनियमितता के चलते जब विवाद बढ़ा तो नपा इंजीनियर सहित सीएमओ भी सवालों से बचते नजर आए। सीएमओ शिवपुर चरचा ने कहा कि इंजीनियर को नोटिश दिया गया है उनसे जवाब आने पर ही कुछ बता पाऊंगा। मगर जब इंजीनियर से जानकारी चाहा गया तो उन्होंने मीटिंग की व्यस्तता के कारण बाद में जानकारी देने की बात कही।

एक ही फर्म को कार्य आखिर कैसे

नियम के अनुसार किसी भी कार्य के निविदा प्रकाशित होने के बाद कई ठेकेदारों के द्वारा कार्य लेने फार्म जमा किया जाता हैं जहा स्वीकृति राशि से कम भी राशि ज्यादातर कार्यो में भरा जाता हैं किंतु नगर पालिका शिवपुर चरचा में एक ही फर्म को लगभग 17 कार्य में करीब एक करोड़ के कार्य ओ भी एस ओ आर दर से अधिक में मिलने को लेकर भ्रष्टाचार की सुगबुगाहट है जहा अब शिकायत के बाद अधिकारी जाच की बात कह रहे थे जिससे अब तक क्या कर रहे थे इनकी भूमिका को लेकर भी संदेह होना स्वाभाविक है।

नेतराम रतनेश मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवपुर चरचा

इस संबंध में पार्षदों से शिकायत मिला है जिस संबंध में ठेकेदार को नोटिस जारी कर कार्य रुकवा दिया गया है वही ठेकेदार ने बिना इंजीनियर को सूचना दिए कार्य शुरु किया है जिस संबंध में संबंधित इंजीनियर को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है जाच के बाद आगे की कार्यवाही किया जायेगा।

अच्छे स्वास्थ्य सुविधा से है वंचित

एमसीबी जिलावासीः महेश प्रसाद

- संवाददाता -
एमसीबी,मनेंद्रगढ़ 03 मई 2023 (घटती-घटना)।

आबादी के मामले में मनेंद्रगढ़ विधानसभा में सबसे बड़े क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था वर्षो से तय मानकों से काफी नीचे है। चिरमिरी में चिकित्सकों की कमी नई बात नहीं है। लेकिन चिकित्सकों की नियुक्ति के बाद भी चिकित्सा का अभाव लोगों के दर्द को और बढ़ा देता है। और यही कारण है की सरकारी अस्पताल की अपेक्षा आस पास के निजी अस्पतालों में ज्यादा भीड़ रहती है।

ऐसा नहीं है की निजी अस्पतालों में ज्यादा योग्य चिकित्सक मिलते हैं लेकिन सरकारी अस्पतालो की असुविधा और लापरवाही को देखते हुए लोगों का विश्वास सरकारी अस्पताल की चिकित्सा और चिकित्सकों पर से बिलकुल उठ गया है। सरकारी अस्पतालों कि इन परेशानिओं को देखते हुए अधिकतम लोग अपने प्रियजनों के इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में ही जाना उचित समझते है। प्राइवेट हॉस्पिटल की अच्छी चिकित्सा व्यवस्था के कारण लोगों की जान तो बच जाती है पर हॉस्पिटल के खर्चों और दवाइयों के बिल्स के कारण अधिकतम मध्यम वर्ग के लोगो को लगभग कंगाली का सामना करना पड़ता है। देखा जाए तो एक सामान्य व्यक्ति को अपनी आय का अधिकतम हिस्सा प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए देना पड़ता है। ऐसे डॉक्टरों की तादाद बहुत बड़ी है जो किसी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पर अपनी ड्यूटी पर मौजूद रहना जरूरी नहीं समझते, अधिकतम सरकारी डॉक्टर अपना ज्यादा समय अपने निजी क्लीनिक और प्रैक्टिस को ही देते है। इस

परेशानी की मार अधिकतम दूरदराज के इलाकों में रह रहें लोगों को झेलनी पड़ती है, जहां स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे हालत में ग्रामीण इलाकों के लोगों को मजबूरन बिना किसी चिकित्सा डिग्री वाले झोलाछाप डॉक्टरों से ही इलाज कराना पड़ता है। जिससे मरीजों की छोटी से छोटी बीमारी गंभीर रूप ले लेती है और फिर मरीजों की जान चली जाती है।

हालांकि देखा जाए तो अलग अलग सरकारों ने अलग-अलग नामों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधारों और अच्छी व्यवस्था के लिए कई तरह की योजनाएं लागू की हैं। लेकिन अगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक में संकट के समय में डॉक्टर या नर्स उपलब्ध नहीं होते हैं तो उन योजनाओं का कोई फ़ायदा नहीं है। इससे साफ़ जाहिर होता है की सार्वजनिक चिकित्सा तंत्र का ढांचा कमजोर है और वही दूसरी तरफ देखा जाए तो इसका बड़ा फ़ायदा निजी अस्पतालों को हो रहा है, आए दिन निजी अस्पतालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस अफसोसजनक हालत के सामने विकास का हर दावा झूठा साबित होता है। छत्तीसगढ़ में विकास ग्रामीण इलाकों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में किया जाना चाहिए। लेकिन अभी वर्तमान सरकार का पूरा ध्यान केवल शहरी क्षेत्रों के अस्पतालों के विकास पर है। शहरी क्षेत्रो के अस्पतालों के विकास का मतलब है की अब गांव और कस्बों में रहने वाले लोगों को अपनी हर बीमारी के इलाज के लिए राजधानी तक का सफर करना पड़ता है।

चिकित्सकों की कमी के पीछे शिक्षा व्यवस्था भी जिम्मेदार

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा व्यवस्था की बदहाली के पीछे कई हद तक यहां की शिक्षा व्यवस्था भी जिम्मेदार है क्योंकि छत्तीसगढ़ की खराब शिक्षा व्यवस्था के कारण वहां के छात्र अच्छी शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाते और उन्हें बाहर का रूख करना पड़ता है। यहां के छात्र बाहर शहरों में शिक्षा प्राप्त करने जाते है और फिर वही किसी निजी अस्पताल में नौकरी प्राप्त करके वही अपनी सेवा प्रदान करते हैं। यदि छत्तीसगढ़ में भी अच्छे मेडिकल कॉलेज खुल जाए तो यहाँ के छात्रों के भी शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा तथा वे यहीं शिक्षा प्राप्त करके अपने गांव और शहरों में ही अपनी प्रैक्टिस कर पायंगे। संसाधनों और अच्छे तकनीशियन की कमी के कारण स्वास्थ्य केंद्र भी सही तरीके से काम नहीं कर रहें हैं और पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था के संचालन में उचित निगरानी नदारद है। स्वास्थ्य उपकेंद्र की जमीनी हकीकत बहुत ही खतरनाक है क्योंकि ज्यादातर स्वास्थ्य उपकेंद्र एक ही खास दिन पर खोले जाते हैं। बाकी दिन जनता को गाँव में या तो अनधिकृत झोला छाप से इलाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ता है और गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के मामले में उन्हें निजी डॉक्टरों और नर्सिंग होम में जान बचाने के लिए रायपुर तक का सफर तय करना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ मुखिया से की मांग हर गरीब शिक्षित युवाओं को बेरोजगारी भत्ता का मिले लाभःकेवल सिंह मरकाम

- संवाददाता -
एमसीबी,मनेंद्रगढ़ 03 मई 2023 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिला अध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को बताया छत्तीसगढ़ राज्य की कांग्रेस सरकार पूर्व में चुनाव घोषणा पत्र में युवा शिक्षित बेरोजगारों को 2500 रुपए देने की घोषणा पत्र जारी किया अब वर्तमान में निम्नलिखित बात कर शिक्षित युवा बेरोजगारों को यह बात प्रेस मीडिया में जारी करके युवाओं को गुमराह करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप प्रदेश के

शिक्षित बेरोजगारों को मिलेगा 2500 रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता, मापदंड एवं शर्तें जारी पात्रता की शर्तें जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में पंजीकृत, आवेदन के वर्ष के 1 अप्रैल को हायर सेकंडरी अथवा उससे अधिक योग्यता में रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 1 अप्रैल 2023 से प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों को 2500 रुपए प्रतिमाह की दर से बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की गई है। इस संबंध में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा योजना की स्वीकृति प्रदान करते हुए आदेश जारी कर दिया गया है। बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित मापदण्ड एवं शर्तों के अनुसार बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए आवेदक का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है।

पात्रता की शर्तें

शिक्षित बेरोजगारों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है। वह मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम हायर सेकंडरी (12वीं) उत्तीर्ण हो। वह जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्ग दर्शन केंद्र में पंजीकृत हो और आवेदन के वर्ष के 1 अप्रैल को हायर सेकंडरी अथवा उससे अधिक योग्यता में उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो। छत्तीसगढ़ राज्य शासन के शर्तों का गोंडवाना गणतंत्र पार्टी विरोध करते हुए मांग करती है हर गरीब परिवार में युवा शिक्षित बेरोजगार हैं उन सब को भी बेरोजगारी भत्ते का लाभ मिलना चाहिए।

जगतपुर घुटरापारा खेत में मिला

संदिग्ध परिस्थिति में शव

» लिवइंन में रह रहे थे दोनों

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 03 मई 2023 (घटती-घटना)।

आये दिन सोलर तार मे धरेलू विद्युत प्रवाह के कारण कई जानवर व लोग अकाल काल के ग्रास बन रहे हैं।

जनपद पंचायत रामानुजनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत जगतपुर के धुटरापारा में लिवइंन मे निवासरत जोड़ों का शव संदिग्ध परिस्थिती में खेत मे पड़ हुआ देख ग्रामिणों के द्वारा फोन के माध्यम से सरपंच श्रीमती अनिता सिंह को सूचना दिया सूचना पाकर सरपंच के द्वारा थाना रामानुजनगर को सूचित किया गया कि जगतपुर घुटरापारा निवासी देवसाय खेत के पास चैन प्रताप व संगती का शव पड़ा हुआ हैं। जब सरपंच से इस संबंध में पुछा गया तो सरपंच के द्वारा कहाँ गया कि चैनप्रताप व संगीत विगत 3 - 4 वर्ष से लिवइंन में रह कर अपना जीवन यापन कर रहे थें परिवार के द्वारा इनका रितरिवाज से विवाह ना होने के कारण धर से अलग कर दिया गया था, घटना स्थल पर देवसाय के द्वारा धान की खेती के सुरक्षा के लिए सोलर तार से धोरा गया था समभ्वतः विद्युत प्रवाहित होने के कारण वे तार के चमेट मे आ गये और मृत्यु हो गया। सूचना पाकर तहसीलदार महोदय रामानुजनगर, थाना प्रभारी रामानुजनगर मय स्टाफ व विद्युत विभाग के अधिकारी घटना स्थल पर पहुच कर घटना स्थल की जॉच कर शव का पंचनामा कर पी.एम. करने

के लिए सामु.स्वा.केन्द्र रामानुजनगर भेज दिया गया।

क्षेत्र मे आजकल किसानों के द्वारा अपनी फसलों को मवेषी से सुरक्षा के लिए सोलर झटका मषीन का प्रयोग किया जा रहा हैं किन्तु उन्हे इस बात का ज्ञान नही होता कि विद्युत के कितने प्रवाह करना हैं और ना ही सोलर लगाने वाले कर्मचारी ही उन्हे बताते हैं कि कितना विद्युत प्रवाह सुरक्षित होता हैं या कितनी विद्युत प्रवाह से किसी का जान जा सकता हैं । कुछ किसानों के द्वारा रात के समय फसल की सुरक्षा के लिए उन सोलर तारो में विद्युत का प्रवाह कर दिया जाता हैं जिसके संपर्क मे आकर निरिह लोग व जानवर असमय काल के ग्रास बन रहे हैं उन्हे बस अपनी फसल की रक्षा से मतलब होता हैं चाहे उसमे किसी की जान ही क्यो ना चली जाये।

जब संबंध में सहायक अभियंता विद्युत विभाग रामानुजनगर से संपर्क कर जानना चाहा कि क्या मृत्क के द्वारा कही अवैध हुकिंग कर सोलर तार मे कनेक्षन तो नही किया गया जिस पर उनके द्वारा बताया गया कि मृत्क के पिता का कहना हैं कि सोलर मषीन के खराब हो जाने के कारण शायद चैन प्रताप के द्वारा धर के विद्युत कनेक्षन के तार को फसल सुरक्षा के लिए सोलर तार मे जोड़ा दिया गया होगा।

शहर में भक्ति भाव से निकली कलश यात्रा,श्रीराम कथा का हुआ शुभारंभ

कथावाचक रामस्वरूपाचार्य महराज ने सुनाई दूसरे दिवस की कथा

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 03 मई 2023 (घटती-घटना)।

देवराहा बाबा सेवा समिति के तत्वाधान में प्रेमाबाग परिसर में आयोजित श्रीराम कथा के पहले दिवस मंगलवार को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में कलश यात्रा निकाली गई,जिसमे श्रद्धालुजन भक्ति भाव के साथ शामिल हुए। यात्रा का प्रेमाबाग परिसर से प्रारंभ हुई,जो कि जनपद चौक, फव्वारा चौक,कुमार चौक, महलपारा चौक से कचहरी पारा, सिविल लाइन, एसईसीएल से गेज नदी तट पर पहुंची जहां से माताएं,बहनें कलश में जल लेकर पुनः कथा स्थल पहुंची जहां यात्रा का समापन हुआ। भक्ति गीतों के साथ निकली यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। पहले दिवस कथाचार्य रामस्वरूपाचार्य जी महराज ने रामचरित मानस महात्म्य के बारे में बतलाया। वहीं दूसरे दिन बुधवार को साध्वी अमृतानंदमयी ने अपने श्रीमुख से कथा का शुभारंभ किया जिसके बाद कथाचार्य रामस्वरूपाचार्य जी महराज ने व्यास पीठ से कहा कि कथा सुनने से परिवर्तन होना चाहिए इसकी आवश्यकता है,परिवर्तन निश्चित रूप से होता है,व्यंजन बहुत हैं लेकिन परोसने का तरीका नही मालूम तो स्वाद नहीं आएगा।

उन्होंने कहा कि भगवान शंकर राम नाम के जापक हैं,शिव जी भगवान राम के प्रति समर्पित हैं। और प्रभु श्री राम की दृष्टि में भी भगवान शंकर प्रमुख हैं, दोनो एक दूसरे को इष्ट मानते हैं। गुरु के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए ये ग्रंथ कहता है,पिता को प्रणाम करना चाहिए सम्मान करना चाहिए ये धर्म कहता है। कथावाचक ने कहा कि रामनाम सर्वोपरी है,रामायण में चार विवाह के बारे में उल्लेख की बात कही। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सम्मान का भूखा है वह पल पल रूठेगा,सम्मान उसी का होता है जो दूसरो का सम्मान करता है,और जो दूसरो का सम्मान करेगा उसे सम्मान खोजने की जरूरत नही पड़ेगी। अगर तुम्हारे में कमी है उसे सुधार ले और कोशिश करे की वह कमी बच्चो में नहीं आनी चाहिए,अपने आप में सुधार हो,सोच सकारात्मक होनी चाहिए,हृदय परिवर्तन होना चाहिए, हठ करने वाला व्यक्ति ठोकर खाकर गिरता है, हठ छोड़कर परिवर्तन करना चाहिए। कथावाचक ने कहा कि संबंधों में प्रेम बना रहना चाहिए,यदि संबंध बिगड़ रहे हैं तो कारण खोजकर संबंध सुधारना चाहिए। उन्होंने दक्ष प्रजापति के चरित्र का विस्तार से वर्णन किया। और भगवान शंकर का सती के साथ विवाह के बारे में बतलाया। आचार्य रामस्वरूपाचार्य जी महराज ने कहा कि भाव की जिंदगी से भगवान मिलता है और भय की जिंदगी से मौत मिलती है,भयभीत कभी नही रहना चाहिए। इस अवसर पर समिति प्रमुख शैलेष शिवहरे, आदित्य नारायण मिश्रा, योगेश शुक्ला, आशीष शुक्ला, अनिल शर्मा, धनेंद्र मिश्रा, सुशील शुक्ला, गीता नेमा, योगेंद्र मिश्रा, रविशंकर शर्मा, नविता शिवहरे, जवाहर गुप्ता, लक्ष्मण राजवाड़े, पंकज गुप्ता, बसंत राय, सुभाष साहू, देवेंद्र तिवारी, बृजेंद्र जायसवाल, डब्लू सिंह, शैलेंद्र शर्मा, राकेश शिवहरे, राजू गुप्ता, राहुल मिश्रा, अनुराग तिवारी, शिशिर जायसवाल, घनश्याम साहू, आयुष नामदेव, समीर जायसवाल, ओंकार पांडेय, प्रदीप तिवारी, अभिषेक दिवेदी, संजय दुबे, बी एल सोनी, देवदत्त त्रिपाठी, उमाशंकर शुक्ला, भोला मिश्रा, रूपनारायण पांडेय, अभय दुबे, दीपक साहू, प्रशांत सिंह, मिंकु सोनी,चंद्रशेखर अवस्थी, पिंटू सरदार, स्वामी पटेल, योगेश महराज, विजय जायसवाल, आनंद सिंह आदि अनेक लोग शामिल थे।

भाजपा प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा लागू 58 प्रतिशत आरक्षण से सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे हटाना भाजपा की आरक्षण पर प्रतिबद्धता की जीत है...

- संवाददाता -
सूरजपुर, 03 मई 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा लागू 58 प्रतिशत आरक्षण से सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे हटाना भाजपा की आरक्षण पर प्रतिबद्धता की जीत है। आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम अभिनंदन करते हैं। इस फ़ैसले से न केवल प्रदेश की तात्कालीन भाजपा सरकार के 58 प्रतिशत आरक्षण का फ़ैसला सही साबित हुआ है, बल्कि कांग्रेस जिस तरह इस मामले में दोहरी राजनीति करती रही है, उसका भी पर्दाफाश हुआ है।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासन काल में लागू आदिवासियों के 32 प्रतिशत आरक्षण पर कांग्रेसियों द्वारा षड्यंत्र कर हाईकोर्ट में याचिका लगवाकर अपास्त घोषित किए गए आरक्षण संशोधन अधिनियम 2012 को सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दे दिया है। यह भाजपा की वैचारिक जीत है। अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी यह समझ लेना चाहिए कि वे संविधान से ऊपर नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि सही नीयत से कानून बनाने पर क्या होता है, यह सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से जाहिर हुआ है। हम सब जानते हैं कि कांग्रेस नेता पद्मा मनहर और के पी खांडे आदि ने हाईकोर्ट जा कर आदिवासियों का आरक्षण रुकवाया था। इसी तरह पिछड़े वर्ग को दिए आरक्षण के विरुद्ध कांग्रेस सरकार में ही कुणाल शुक्ला हाईकोर्ट जा कर पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को रुकवाया था। कांग्रेस सरकार ने आरक्षण की मुखालफत करने का पुरस्कार श्री खांडे को आयोग का अध्यक्ष बना कर दिया, वहीं कुणाल शुक्ला को कबीर शोधपीठ का अध्यक्ष बनाया। ऐसा दोहरा चरित्र केवल कांग्रेस का ही हो सकता है।

आरक्षण के मामले में जब हाईकोर्ट में मामला था, तब भी कांग्रेस ने जान बूझ कर केस को

कमजोर किया। कोर्ट में अपना पक्ष सही से नहीं रखा, जिस कारण वह हाईकोर्ट में मुकदमा हार गयी। इस तरह कांग्रेस ने लगातार वंचित वर्गों से छ्ल किया है। कांग्रेस हमेशा से न केवल आरक्षण के खिलाफ रही है, बल्कि वह इस पर केवल राजनीति करती रही है। केंद्र में गैर कांग्रेसी भाजपा समर्थित वीपी सिंह की सरकार ही पिछड़ों को नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान मंडल आयोग के रूप में लेकर आयी थी। भाजपा के समर्थन से ही संयुक्त मोर्चा की सरकार ने सबसे पहले शासकीय नौकरियों में पिछड़ों के आरक्षण का प्रावधान किया। उस समय कांग्रेस विपक्ष में थी, ज़ाहिर है कांग्रेस तब भी आरक्षण की विरोधी ही थी।

इस चेतावनी के बाद कुंभकर्णी नींद में सोई भूपेश सरकार नींद से जागी और 25 अप्रैल 2023 को सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट हियरिंग का निवेदन किया। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए 1 मई को भाजपा शासनकाल के 58 प्रतिशत वाले आरक्षण अधिनियम को स्टे दे दिया। कांग्रेस सरकार अगर कोशिश करती तो सितंबर 2022 को ही यह निर्णय आ सकता था पर आरक्षण के मामले पर कांग्रेस की नीयत में खोट है। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला महामंत्री राजेश अग्रवाल माहलवाला, थलेश्वर साहू, संदीप अग्रवाल, कौशल प्रताप सिंह, अजय अग्रवाल, अजय सिंह, संस्कार अग्रवाल, सौरभ जायसवाल उपस्थित रहे।

पुलिस दबाव में कर रही काम, एसपी कार्यालय का करेंगे घेराव

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा के जनाधार से घबराई कांग्रेस सरकार के दबाव में पुलिस भाजपाइयों के खिलाफ झूठी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी भत्ता को लेकर भाजयुमो द्वारा कलेक्टर कार्यालय का घेराव किए जाने के दौरान कलेक्टर कार्यालय का कांच तोड़ने के मामले में भाजयुमो कार्यकर्ताओं के खिलाफ सूरजपुर पुलिस द्वारा दबाव में अपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं मंगलवार युवा कांग्रेस द्वारा डीएवी विद्यालय बिश्रामपुर का घेराव प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता द्वारा पुलिस के साथ गाली गलौज कर अभद्र व्यवहार किए जाने के मामले में पुलिस कार्यवाही से बच रही है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि भाजयुमो कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज अपराध वापस नहीं लेने और पुलिस से बदतमीजी करने वाले कांग्रेस नेता पर एफआईआर दर्ज नही किये जाने पर भाजपा एसपी कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करेगी।

हाथियों के आतंक से आखिर कब ग्रामीणों को मिलेगी मुक्ति ?

- संवाददाता -
कोरबा,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

जिले में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा संबंधित विभाग एवं प्रशासन द्वारा हाथियों से बचाव के लिए योजनाएं तो कई बनाए गए पर अब तक उन योजनाओं को लागू नहीं किया जा सका जिसके चलते वन अंचलों में रहने वाले ग्रामीण हाथियों के आतंक में जीने को है मजबूर इनकी इस मजबूरी से आखिर कौन निजात दिलाएगा ? मामला कटघोरा वन मंडल का है जहां एक बार फिर हाथियों ने भारी उत्पात मचाया । वन मंडल के केंदई रेंज स्थित 02 गांव में घुसकर हाथियों ने पांच मकानों को ध्वस्त कर दिया है। मकान में रखे अनाज को भी हाथियों ने चट कर दिया। जिससे ग्रामीणों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। हाथियों के उत्पात से दोनों गांव के ग्रामीण पूरी रात दहशत में रहे। हाथियों से बचने वे घरों में ही दुबके रहे। वन विभाग की तमाम कोशिशों के बाद भी कटघोरा वन मंडल के हाथी प्रभावित केंदई व पसान रेंज में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा । यहां विचरण कर रहे हाथियों के झुंड ने बीती रात केंदई रेंज के दो गांव जातामाटी व ढोढ़ा बहार में उत्पात मचाते हुए 5 ग्रामीणों के मकानों को ढहा दिया, जिससे वे बेघर हो गए। पसान रेंज में 9 तथा केंदई रेंज के कापानवापारा व लालपुर क्षेत्र में 34 हाथी विचरण कर रहे हैं। इन्हीं में से लालपुर में मौजूद 21 हाथी बीती रात जंगल से निकलकर जातामाटी व ढोढ़ाबहार गांव पहुंच गए। अचानक पहुंचे हाथियों के झुंड ने गांव में जमकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथियों ने जातामाटी गांव में चार ग्रामीणों के घरों को निशाना बनाते हुए ध्वस्त कर दिया। जिससे घुरन साय, प्रेमलाल, शिव प्रसाद, शिववचन का परिवार प्रभावित हुआ है। वहीं ढोढ़ाबहार में अमान सिंह के घर को भी हाथियों ने तोड़ दिया है। इतना ही नहीं घर में रखे चावल, धान व अन्य अनाज को भी चट कर दिया। हाथियों द्वारा रात में दो गांव में उत्पात मचाए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सुबह मौके पर पहुंचे और हाथियों द्वारा किये गए नुकसानी का आंकलन करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार की। क्षेत्र में बड़ी संख्या में घर तोड़े जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है साथ ही जमकर आक्रोश भी देखा जा सकता है। क्या संबंधित विभाग इन ग्रामीणों को हाथियों के आतंक से मुक्ति दिला पाएगी या फिर यूंही हर हाथियों के हमलों के बाद सिर्फ नुकसान का आंकलन करती रहेगी?

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जाधारियों द्वारा किए गए कब्जे पर चला बुलडोजर

- संवाददाता -
कोरबा,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

नगर निगम ने शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे पर चलाया बुलडोजर द्य निगमायुक्त के द्वारा अवैध कब्जा करने वालों को अवैध कब्जा न करने की समझाइश देने के बावजूद अतिक्रमण कारियों द्वारा शासकीय भूमि को कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे जिसके चलते निगम एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए नगर निगम क्षेत्र की खरमोरा में स्थित शासकीय भूमि पर किए गए कब्जे को किया गया खाली इस क्षेत्र में जमीन तस्करों ने नगर निगम की जमीन को अपना बता कर अनेक लोगों को प्लाट बनाकर बेचा जिसके चलते आधा दर्जन से अधिक लोगो ने प्लाट को लाखों में की थी खरीदी अब जब कब्जा पर की गई कार्यवाही तो लोगो ने कारवाही के दौरान जेसीईबी के सामने खड़ा हो कर किए प्रदर्शन आपको बता दें के निगम आयुक्त ने सभी जोन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवैध कब्जा करने वालों पर तत्काल करवाही करने के दिए हुए हैं निर्देश पर इस आदेश का पालन निगम के जोन क्षेत्रों में होता दिख नही रहा जिसके चलते निगम क्षेत्रों में आए दिन कब्जाधारियों द्वारा कब्जा करते देखा जा सकता है चाहे वह कोरबा शहर के मुख्यमार्ग पर बने पार्किंग स्थल की बात हो या चाहे अन्य खाली पड़े सरकारी जमीनों की बात करें जरूरत है निगम द्वारा सही समय पर कार्यवाही करने की तभी अवैध कब्जाधारियों के हौसले होंगे पस्त वरना अवैध कब्जाधारियों और जमीन दलालों के चक्कर में यूंही आम नागरिक अपनी गाढ़ी कमाई को खोते रहेंगे ।

प्रसिद्ध लोकगायिका आरु साहू द्वारा शिखा गोस्वामी के पुस्तक का किया गया विमोचन

- संवाददाता -
कोरबा,03 मई 2023 (घटती-घटना)।

सरगांव (छ. ग.) की लोकप्रिय गायिका सुश्री आरु साहू ने दिनाँक 01/05/2023 को ग्राम चंदखुरी (बैतलपुर), जिला मुंगेली निवासी सुश्री शिखा गोस्वामी की पुस्तक ÷कुछ भीगे अल्फाज में÷ का विमोचन किया। शॉपिजन प्रकाशन गुजरात से प्रकाशित प्रथम पुस्तक ÷भीगे अल्फाजो में÷ की सफलता के उपरांत यह उनकी जल्द प्रकाशित होने वाली दूसरी कहानी संग्रह ÷निहारिका की प्रेरक कथाएं÷ के आवरण पृष्ठ का विमोचन भी किया गया । इस अवसर पर सुश्री आरु साहू ने उनके पुस्तक विमोचन उपरांत कहा कि इनकी रचनाएं मौलिक और प्रेरणादायक है । सरस्वती शिशु मंदिर चंदखुरी के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि उनके शाला की पूर्व छात्रा सुश्री शिखा गोस्वामी विलक्षण प्रतिभा की धनी रही है निकट भविष्य में इन्हें बड़े मंच से सम्मानित किया जाएगा। विमोचन अवसर पर लेखिका की माता रेखा गोस्वामी, पिता कमल गिरी गोस्वामी, समाजसेवी मनीष अग्रवाल, शिक्षक मोहन लहरी,सहयोगी अमर साहू,भागवत साहू व कवरेज कर्ता डीके स्टूडियो चंदखुरी सहित परिजन उपस्थित रहे। वहीं भारत के विभिन्न राज्यों में पहचान बनाने वाली शिखा जी के शुभचिंतकों एवं साहित्य की नामी हस्तियों ने उन्हें इस अवसर पर अनेक शुभकामनाएं भेजकर उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जिला चेंबर ने GST संयुक्त आयुक्त से की मुलाकात

- संवाददाता -
कोरबा,03 मई 2023
(घटती-घटना)।

जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि छत्तीसगढ़ जीएसटी के संयुक्त आयुक्त नरेंद्र वर्मा से कोरबा आयकर कार्यालय में जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें आर.पी. तिवारी,सुनील कुमार पोद्दार व विनोद सिन्हा ने सौजन्य मुलाकात की। जिला चेंबर प्रतिनिधि ने संयुक्त आयुक्त से कोरबा के व्यापारियों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की तथा चेंबर के साथ कार्यशाला आयोजित करने की मांग की जिसे संयुक्त आयुक्त ने स्वीकार कर ली तथा एक पखवाड़े के अंदर कोरबा में कार्यशाला आयोजित कर व्यापारियों के समस्या व समाधान किया जाएगा का आश्वासन दिया। जिला चेंबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की सरल समाधान योजना के तहत पुराने विवादित जीएसटी समस्या का सरल समाधान व्यापारी बंधु एक आवेदन जिला जीएसटी कार्यालय कोरबा में देकर समस्या का समाधान कराने हेतु इस अवसर का लाभ उठावें।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/202305021200002 /अ-20(3)/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरजीत सिंह पिता सरदार त्रिलोक सिंह जाति सिक्ख निवासी मोहल्ला मायापुर नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की मोहल्ला कौवाडांड़ नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-03 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1536 रकबा 0.20 एकड़ प्लाट नम्बर 1537 रकबा 0.02 एकड़ कुल 0.22 एकड़ भूमि में से रकबा 0.08 एकड़ भूमि को भूमि अनावेदक कृपाल सिंह पिता त्रिलोक सिंह जाति सिक्ख निवासी मायापुर गुरूद्वारा वार्ड अम्बिकापुर के पक्ष में दान पत्र निष्पादित करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र,मेन्टनेन्स खसरा की छायाप्रति पेश की गई है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 29/05/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल अधिकारी** अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार नजूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/ /अ-20(1)/2020-21

-: ईश्तहार :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर,अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1)एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक उपेन्द्र कुमार पाठक आ0 गोपाल पाठक, निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला ग्राम नमनाकला अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 243/10 रकबा 4.18 3/4 एकड़ में से रकबा 201.3 वर्गमीटर भूमि पर मकान व बाउण्ड्री निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/ आबंटन बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/05/2023 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **तहसीलदार नजूल** अम्बिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0
साकिन सूरजपुर

// ईश्तहार //

आगामी पेशी तिथि 09/05/2023

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक विष्णु गोयल आ.स्व. ज्ञानचन्द्र गोयल,उम्र लगभग 46 वर्ष निवासी नगर सूरजपुर, थाना,तहसील व जिला(छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत नजूल भूमि का नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र पेश कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2142/2 रकबा 0.010 हे. नजूल भूमि का विक्रेता बिहारी लाल अग्रवाल आ. विशम्भर लाल अग्रवाल से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21.01.1997 के माध्यम से क्रय करने पर उक्त भूमि के नामांतरण दर्ज किए जाने का निवेदन किया गया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 09/05/2023 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी** सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0
साकिन सूरजपुर

// ईश्तहार //

आगामी पेशी तिथि 09/05/2023

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ओमपति देवी पति .स्व. ज्ञानचन्द्र गोयल,उम्र लगभग 58 वर्ष निवासी मेन रोड सूरजपुर, थाना,तहसील व जिला(छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत नजूल भूमि का नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र पेश कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2142/2 रकबा 0.022 हे. नजूल भूमि का विक्रेता बिहारी लाल अग्रवाल आ. विशम्भर लाल अग्रवाल से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21.01.1997 के माध्यम से क्रय करने पर उक्त भूमि के नामांतरण दर्ज किए जाने का निवेदन किया गया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 09/05/2023 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी** सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0
साकिन सूरजपुर

// ईश्तहार //

आगामी पेशी तिथि 09/05/2023

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार गोयल आ. सत्यनारायण गोयल,उम्र लगभग 45 वर्ष निवासी मेन रोड सूरजपुर, थाना,तहसील व जिला(छ.ग.) व अन्य 01 के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत नजूल भूमि का नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र पेश कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2141/2 रकबा 0.033 हे. नजूल भूमि का विक्रेता बिहारी लाल अग्रवाल आ. विशम्भर लाल अग्रवाल से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21.01.1997 के माध्यम से क्रय करने पर उक्त भूमि के नामांतरण दर्ज किए जाने का निवेदन किया गया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 09/05/2023 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 19/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी** सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा,सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/ /ब-121/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा ग्राम सखौली रा0नि0म0 सोहगा थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा छ0ग0के ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखसाय आ0 स्व0 बुधन निवासी ग्राम सखौली तहसील दरिमा जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम-सखौली रा0नि0म0 सोहगा स्थित भूमि कुल ख0न0 05 कुल रकबा 1.207 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटि सुधार हेतु न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर में प्रस्तुत आवेदन इस न्यायालय में जांच हेतु प्राप्त हुआ है।

अतएव उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 15/05/2023 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09-03-2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **नायब तहसीलदार** तहसील -दरिमा

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

-: ईश्तहार :-

लखनपुर दिनांक 26/04/2023

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-अरगोती
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका कमल साय आ0 मंगल साय निवासी ग्राम-अरगोती तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पिता स्व0 मंगल साय की मृत्यु दिनांक 10/10/2012 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायलय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 26/05/2023 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 26/05/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार तहसील -लखनपुर जिला-सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

-: ईश्तहार :-

लखनपुर दिनांक 26/04/2023

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-अरगोती
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका सियाराम एक्का आ0 बुधराम एक्का निवासी ग्राम-अरगोती तहसील लखनपुर के द्वारा अपने बड़े पिता स्व0 पुतरू की मृत्यु दिनांक 04/06/1996 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायलय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 25/05/2023 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 25/05/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील — **नायब तहसीलदार** तहसील -लखनपुर जिला-सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

-: ईश्तहार :-

लखनपुर दिनांक 26/04/2023

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-अरगोती
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका बुद्धि राम आ0 स्व0नब्बू राम निवासी ग्राम-अरगोती तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पिता स्व0 नब्बू राम की मृत्यु दिनांक 01/03/2012 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायलय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 25/05/2023 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 25/05/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील — **नायब तहसीलदार** तहसील -लखनपुर जिला-सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

-: ईश्तहार :-

लखनपुर दिनांक 26/04/2023

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-अरगोती
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका बुद्धि राम आ0 स्व0नब्बू राम निवासी ग्राम-अरगोती तहसील लखनपुर के द्वारा अपने दादा स्व0 लथिया की मृत्यु दिनांक 15/03/2015 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायलय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 26/05/2023 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 26/05/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील — **नायब तहसीलदार** तहसील -लखनपुर जिला-सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

-: ईश्तहार :-

रा0प्र0क्रं0/ /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रदीप तिवारी आ0 दामोदर तिवारी जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम/नगर रामनगर डोला तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म0प्र0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 434/101, रकबा 0.032 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा,नक्शा,भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र,रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 10/05/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी** (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/202305021200003 /अ-20(3)/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरदार कृपाल सिंह पिता सरदार त्रिलोक सिंह जाति सिक्ख निवासी मोहल्ला मायापुर नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की मोहल्ला कौवाडांड़ नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-03 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1538 रकबा 0.03 एकड़ भूमि अपने भाई सरदार सुरजीत सिंह पिता सरदार त्रिलोक सिंह जाति सिक्ख निवासी गुरूद्वारा वार्ड-36 नगर अम्बिकापुर के पक्ष में दान पत्र निष्पादित करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र,मेन्टनेन्स खसरा की छायाप्रति पेश की गई है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 29/05/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल अधिकारी** अम्बिकापुर

CMYK

केकेआर के खिलाफ मैच में सनराइजर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर होगा दबाव

हैदराबाद,03मई 2023। सनराइजर्स हैदराबाद गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगा तो उसके शीर्ष क्रम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। इन दोनों टीमों का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है और उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए आगे सभी मैचों में अच्छा खेल दिखाना होगा। केकेआर के अभी नौ मैचों में छह जबकि सनराइजर्स के आठ मैचों में छह अंक हैं। अंक तालिका में वे क्रमश- आठवें और नौवें स्थान पर हैं। सनराइजर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है। पिछले मैच में अभिषेक शर्मा को पारी का आगाज करने के लिए भेजने का फैसला सही साबित हुआ था लेकिन टीम अन्य सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रही होगी। सनराइजर्स के बल्लेबाज अभी तक सामूहिक योगदान देने में असफल रहे हैं और अगर टीम को प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसके बल्लेबाजों को निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अग्रवाल अभी तक 110 की स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरने वाले राहुल त्रिपाठी भी उपयोगी योगदान नहीं दे पाए हैं। कप्तान एडेन मार्कराम को आगे बढ़कर नेतृत्व करने की जरूरत है जबकि हैरी ब्रूक एक शतक जमाने के बावजूद अधिकतर मैचों में असफल रहे हैं। उन्हें फिर से मध्यक्रम में उतारा जा रहा है और उम्मीद है कि वह कुछ लय हासिल करेंगे।

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं जो सनराइजर्स के लिए करारा झटका है। गेंदबाजी में उमरान मलिक महंगे साबित हुए हैं जो कि टीम के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने अब तक सात मैचों में केवल पांच विकेट लिए हैं। केकेआर भी अपने बल्लेबाजों से प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद रखेगा। केकेआर को यदि नॉकआउट में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखना है तो उसे तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। कप्तान नितीश राणा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार के बाद स्वीकार किया था कि उनकी टीम को तीनों विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।

राणा स्वयं अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसे कि उनसे अपेक्षा की जा रही थी जबकि शीर्ष क्रम में एन जगदीशन ने निराश किया है। जेसन रॉय और रहमानुल्लाह गुरबाज ने अच्छी फॉर्म दिखाई है लेकिन इन दोनों में से किसी एक को ही अंतिम एकादश में रखा जा सकता है। केकेआर के तेज गेंदबाज रन लुटा रहे हैं जो उसके लिए चिंता का विषय है। ऑल राउंडर आंद्रे रसेल और शार्दुल ठाकुर ने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं। हर्षित राणा ने अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और उन्हें फिर से अंतिम एकादश में जगह मिलने की संभावना है। सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और सुयश शर्मा की स्पिन तिकड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन उन्हें तेज गेंदबाजों से भी सहयोग की जरूरत है।

टीम इस प्रकार हैं- कोलकाता नाइट राइडर्स- नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह, एन. जगदीशन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह और जेसन रॉय। सनराइजर्स हैदराबाद- एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह। मैच शुरू- भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

रियल मैड्रिड से भिड़ेगी भारतीय अंडर-17 टीम

मेड्रिड,03मई 2023। भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम अभ्यास मैच में स्पेन के अग्रणी क्लब रियल मैड्रिड की अंडर-17 टीम से मुकाबला करेगी। भारतीय युवा वर्तमान में इस साल जून में थाईलैंड में आयोजित होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप की तैयारी कर रहे हैं जहां उन्हें जापान, वियतनाम और उज्बेकिस्तान के साथ ग्रुप-डी में रखा गया है।

मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस के नेतृत्व में भारतीय युवाओं ने एटलेटिको डी मैड्रिड अंडर-17 (4-1), सीडी लेगानेस अंडर-18 (0-2) और एटलेटिको मैड्रिलिनो (2-1) के खिलाफ तीन तैयारी मैच खेले हैं।

कोच फर्नांडिस का मानना है कि भारतीय युवाओं के लिए कुशल टीम के खिलाफ खेलने का यह

बहुत अच्छा मौका होगा। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, इन लड़कों के लिए रियल मैड्रिड जैसे शीर्ष क्लब के प्रशिक्षित खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का यह एक बड़ा अवसर है। उनमें से हर कोई मैच में जाने के लिए उतावला है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

फर्नांडिस ने कहा, मुझे लगता है कि यह मैच वास्तव में खिलाड़ियों के लिए अच्छा साबित होगा क्योंकि वे यहां स्पेन में कुछ बहुत प्रतिस्पर्धी टीमों के साथ खेल रहे हैं। यह उन्हें एएफसी अंडर-17 एशियाई कप से पहले आवश्यक स्तर तक पहुंचने में भी मदद करेगा।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा जूनियर खिलाड़ियों के विकास के लिये तैयार की गयी योजना के तहत अंडर-17 टीम ने पिछले सप्ताह एटलेटिको डी मैड्रिड के युवा टीम के कोचों से प्रशिक्षण भी प्राप्त किया था।

फर्नांडिस ने कहा, एटलेटिको में कोचों के साथ हमारे कुछ बहुत ही उपयोगी सत्र रहे हैं और यह खिलाड़ियों के लिए एक बहुत अच्छा अनुभव था। वे तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं।

रियल मैड्रिड अंडर-17 के खिलाफ भारत का मैच सिउदाद डेपोर्टिवा डेल रियल मैड्रिड में भारतीय समयानुसार 8:30 बजे से शुरू होगा।

वंतिका अग्रवाल ने हासिल की खास उपलब्धि

» बनीं तीसरी रैंक की भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली,03मई 2023। भारतीय शतरंज की उभरती हुई खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल अपने करियर में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। वंतिका ने कुल 2428 रेटिंग अंकों के साथ महिला वर्ग में भारत की तीसरे नंबर की खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 2020 ओलंपियाड विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहीं 21 वर्षीय वंतिका अपने हालिया मैचों में प्रभावशाली प्रदर्शन करने में सफल रही हैं। उन्होंने अपने पिछले चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में 61 अंक हासिल किए, जिनमें स्पेन में आयोजित मेनोरका ओपन में महिला चैंपियन बनना भी शामिल है।

नोएडा में रहने वाली वंतिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ÷भारत का नम्बर-3 खिलाड़ी बनना अद्भुत अहसास है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे पता था कि मैं यह कर लूंगी लेकिन इतनी जल्दी यह सब हो जाएगा, इसकी

उम्मीद नहीं कर रही थी। मैं पिछले चार टूर्नामेंट में रैंकिंग बढ़ाने और यह स्थान हासिल करने में कामयाब रही।

वंतिका ने आगे कहा, मैं यहां नहीं रुकूंगी और कड़ी मेहनत करती रहूंगी ताकि मैं ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल कर सकूं और भारत की नंबर-1 खिलाड़ी बन सकूं। यही मेरा लक्ष्य है। इसे हासिल करने के लिए मुझे अब और बड़े टूर्नामेंट खेलने की जरूरत होगी।महिला ग्रैंडमास्टर वंतिका अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करती रही हैं। वह पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय मास्टर खिताब हासिल करने वाली 11वीं भारतीय महिला भी बनीं थीं। वंतिका हांग्जो में खेले जाने वाले 2022 एशियाई खेलों की तैयारी के लिए आने वाले दिनों में कुछ शीर्ष टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन टूर्नामेंट्स के माध्यम से वह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगी। वह इस साल ग्रैंडमास्टर बनने को लेकर भी आश्वस्त हैं क्योंकि उन्हें इस खिताब को हासिल करने के लिए तीन जीएम नॉर्म्स और 2500 रेटिंग अंकों को पार करने की आवश्यकता है।

शरत कमल ने किया पहलवानों के प्रदर्शन का समर्थन

» सभी एनएसएफ में एथलीट आयोग की जरूरत

नईदिल्ली,03मई2023। महान टेबल टेनिस खिलाड़ी और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट आयोग (एसी) के उपाध्यक्ष अचंता शरथ कमल का मानना है कि भारतीय पहलवानों के जारी विरोध ने सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में एथलीट आयोग की आवश्यकता के मुद्दे को और बल दिया है। बजरंग पूनिया, विनेश फोगट और साक्षी मलिक सहित अन्य पहलवान 23 अप्रैल से राष्ट्रीय राजधानी में धरने पर बैठे हैं यह खिलाड़ी एक नाबालिग सहित सात पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है।

आईओए के एथलीट आयोग का गठन पिछले साल किया गया था। इस आयोग ने शनिवार को पहलवानों के विरोध पर चर्चा करने के लिए ऑनलाइन बैठक की थी। शरथ को पिछले साल टेबल टेनिस में शानदार प्रदर्शन के लिए खेल रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयोग और खिलाड़ियों के बीच विश्वास कायम करने की जरूरत है जिससे खिलाड़ी मदद मांगने में हिचके नहीं। पहलवानें ने आईओए से संपर्क किये बिना विरोध के लिए सड़कों पर उतरने का फैसला किया।

आईओए अध्यक्ष ने उस समय पहलवानों की इस हरकत की आलोचना की थी। एथलीट आयोग की अध्यक्ष मेरीकॉम की गैरमौजूदगी में इस बैठक का नेतृत्व करने वाले शरथ ने कहा, '' आयोग की बैठक में विभिन्न विषयों पर एथलीटों के लिए एक मंच बनाने, कार्यशालाओं और गतिविधियों का आयोजन करने जैसी कई चीजों पर चर्चा हुई। इसका एक अन्य महत्वपूर्ण विषय सभी एनएसएफ में एथलीट आयोग के गठन को लेकर आईओए से बात करना था ताकि हम एथलीटों की आवाज को मजबूत कर सकें।'' उन्होंने कहा, '' एथलीट सिर्फ यौन उत्पीड़न ही नहीं बल्कि किसी भी मुद्दे पर आयोग से संपर्क करने में सक्षम होना चाहिये।'' इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा, '' हमने पहलवानों के साथ वर्तमान मुद्दे पर चर्चा की और हम पहले एथलीटों के प्रति एकजुटता दिखाने में एकमत थे क्योंकि वे न्याय के लिए सड़कों पर लड़ रहे हैं। अब यह मुद्दा न्यायपालिका के पास है ऐसे में इसका समाधान आईओए और एथलीट आयोग की पहुंच से बाहर है।'' बुधवार को आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने धरना स्थल पर पहलवानों से मुलाकात की और पहलवानों को अपना समर्थन देने का आश्वासन देते हुए कहा कि वह पहले एक एथलीट हैं और फिर एक प्रशासक।

राउरकेला करेगा सब जूनियर महिला,पुरुष चैंपियनशिप की मेजबानी

राउरकेला,03मई2023। ओडिशा के राउरकेला में तैयार किया गया बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम चार से 28 मई के बीच महिलाओं और पुरुषों की 13वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2023 की मेजबानी करेगा।

दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में सब जूनियर महिला चैंपियनशिप चार मई से 18 मई के बीच खेली जायेगी, जबकि सब जूनियर पुरुष चैंपियनशिप का आयोजन 18 से 28 मई के बीच होगा। यह स्टेडियम एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 और एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-2023 के मैचों की मेजबानी भी कर चुका है।

यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों को देश भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने, उनसे अमूल्य अनुभव हासिल करने और अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों से सीखने एवं उनके जैसा खेलने का मौका प्रदान करेगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्म श्री दिलीप टिर्की ने राउरकेला में टीमों का स्वागत करते हुए कहा, 13वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला और पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए राउरकेला में यहां इकट्ठा होते हुए मैं शहर के उस समृद्ध इतिहास को याद कर रहा हूं जिसने हॉकी के खेल को बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा, हमने विश्व कप और प्रो लीग के दौरान देखा कि कैसे राउरकेला हमेशा हॉकी के लिये एक शानदार स्थल रहा है, और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट भी वैसा ही साबित होगा। राज्य के खेल और युवा सेवा सचिव विनील कृष्णा ने ओडिशा में टीमों का स्वागत करते हुए कहा, हम ओडिशा में टीमों का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं और राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 13वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला एवं पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह हमारे युवा एथलीटों को विश्व स्तर और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिये सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

द केरल स्टोरी को सेंसर बोर्ड से मिला ए सर्टिफिकेट

सुदीप्तो सेन की द केरल स्टोरी पिछले साल टीजर जारी होने के ही विवादों में घिरी हुई है। अब जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज नजदीक आ रही है, इसको लेकर विरोध बढ़ रहा है। फिल्म पर राजनीति गरमा गई है और अब इस पर रोक लगाने की मांग हो रही है। अब सेंसर बोर्ड ने फिल्म में 10 सीन में बदलाव करने के साथ ए सर्टिफिकेट दे दिया है। इन बदलावों में केरल के एक पूर्व मुख्यमंत्री का इंटरव्यू शामिल है।

सेंसर बोर्ड की जांच कमेटी ने फिल्म देखने के बाद निर्माताओं को आदेश दिया है कि इससे केरल के एक पूर्व मुख्यमंत्री के टीवी पर दिए गए पूरे इंटरव्यू को हटाया जाए, जिसमें वह युवाओं के इस्लाम अपनाने की बात कह रहे हैं। दरअसल, इंटरव्यू में एक पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था कि अगले दो दशकों में केरल एक मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा क्योंकि युवाओं को इस्लाम अपनाने के लिए प्रभावित किया जा रहा था।

द केरल स्टोरी से एक अन्य दृश्य जिसे कथित तौर पर हटाया गया है, उसमें सभी हिंदू देवताओं के संवाद और अनुचित संदर्भ शामिल थे। कथित तौर पर एक संवाद में कहा गया है कि भारतीय कम्युनिस्ट सबसे बड़े पाखंडी हैं और यह हिंदू रीति-रिवाजों की अनुमति नहीं देती है, जिसे फिल्म से हटा दिया गया है।

इसके अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से भारतीय शब्द हटाने के लिए कहा गया है।

केरल सरकार और विपक्ष के नेता राज्य में द केरल स्टोरी फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और कांग्रेस नहीं चाहते कि यह हिंदी फिल्म केरल में रिलीज हो, लेकिन फिल्म दिखाने वालों (फिल्म प्रदर्शकों) की राय इस मामले में उनसे अलग है। फिल्म प्रदर्शकों का मानना है कि दर्शक फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखेंगे ही इसलिए बेहतर होगी कि इसे सिनेमाघरों में रिलीज होने दिया जाए।

द केरल स्टोरी 3 महिलाओं की कहानी है, जो नर्स बनने की चाहती थीं, लेकिन आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) में शामिल हो जाती हैं। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे इन लड़कियों का धर्म परिवर्तन करके आतंकी संगठन में शामिल कराया जाता है। फिल्म में केरल से 32,000 लड़कियों के गायब होने की बात कही गई है, जिसको लेकर विवाद हो रहा है। निर्माताओं पर आरोप लगा है कि वे केरल को फिल्म में गलत तरीके से दिखा रहे हैं।

द केरल स्टोरी में अदा शर्मा मुख्य भूमिका में हैं, वहीं सोनिया बलानी, योगिता बिहानी और सिद्धि इडनानी भी अहम किरदार निभाएंगी। 5 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म का निर्देशन सेन ने किया है और इसके निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं।

मालदीव में छुट्टियां मना रही महिमा मकवाना,लाजवाब खानों का उठा रहीं लुफ्त

बालिका वधु और अतिंम- द फाइनल ट्रुथ की एक्ट्रेस महिमा मकवाना हाल ही में मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी छुट्टियों के दौरान कई एक्टिविटीज कीं और तमाम लाजवाब खानों का लुफ्त उठाया।एक्ट्रेस ने बताया, मालदीव हमेशा से खूबसूरती की वजह से मेरी लिस्ट में रहा है। मैं अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करती रहती हूं। समुद्र में तैरना और कयाकिंग मेरे द्वारा अनुभव की गई सबसे अच्छी चीजों में से एक है। मैंने कुछ जापानी डिश भी आजमायी।उन्होंने आगे कहा, हालांकि मैं वहां सीमित समय के लिए थी। लेकिन मैं अगली बार यहां स्नॉर्केलिंगकरने की कोशिश करना पसंद करूंगी। अलग-अलग देशों की यात्रा करना, अलग-अलग व्यंजनों को एक्सप्लोर करना और आजमाना हमेशा बहुत सुखद होता है। मालदीव हमेशा से एक प्रसिद्ध स्थान रहा है और मुझे खुशी है कि अब मैंने इसे अपनी लिस्ट में शामिल कर लिया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी जगह है, जहां आप साल में कभी भी आ सकता है।

मिस्टर एंड मिसेज माही की शूटिंग हुई पूरी,बड़े पर्दे पर फिर जमेगी जान्हवी-राजकुमार राव की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर अब तक कई फिल्मों में अपनी अदाकारी का जादू दिखा चुकी हैं। वह जल्द ही स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आने वाली हैं। रविवार (30 अप्रैल) को इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई। इस बात की जानकारी खुद जान्हवी ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इट्स ए रैप ¤ मिस्टर एंड मिसेज माही। फिल्म का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है। वहीं, इसका निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। फिल्म जान्हवी के साथ राजकुमार राव भी नजर आने वाले हैं। दोनं की एक साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों हॉरर कॉमेडी फिल्म रूही स्कीन साझा कर चुके हैं।इससे पहले जान्हवी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिसमें उन्हें फिल्म में अपनी भूमिका के लिए क्रिकेट ग्राउंड ट्रेनिंग पर देखा जा गया था।बता दें कि यह पहला मौका है जब राजकुमार धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले किसी फिल्म में काम करने जा रहे हैं। इस फिल्म को लेकर दोनों कलाकारों के फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। हालांकि, इसके आधिकारिक रिलीज की तारीख का अभी सामने नहीं आई है। जान्हवी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही बवाल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वरुण धवन मेल लीड में हैं। इसका निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसके अलावा जान्हवी जल्द ही जूनियर एनटीआर के साथ उनकी आगामी फिल्म एनटीआर 30 में अभिनय करती दिखने वाली हैं।

बिना फिटनेस और टैक्स के अब टोल से गुजरना पड़ेगा मंहगा

छत्तीसगढ़ सरकार अब बिना फिटनेस,टैक्स और बिना दस्तावेज के चलने वाले वाहनों पर सख्ती करने की तैयारी में

» परिवहन विभाग द्वारा ऑटोमैटिक चालान की व्यवस्था
» राज्य के सभी नेशनल हाईवे में शुरू हुआ ई-डिटेक्शन सिस्टम
» बिना दस्तावेजों के साथ चलने वाले वाहनों पर कार्यवाही की तैयारी
» हाईवे में चलने वाले वाहनों के सभी दस्तावेज हो अपडेट

रायपुर,03 मई2023(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार अब बिना फिटनेस , टैक्स और बिना दस्तावेज के चलने वाले वाहनों पर सख्ती करने की तैयारी में हैं। प्रदेश के सभी नेशनल हाईवे में अब ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू किया जा रहा है , जिससे कि बिना फिटनेस और बिना टैक्स वाले वाहनों के टोल से गुजरने पर ऑटोमैटिक चालान होगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा अनुरूप तथा परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन सुविधाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो रहा हैं। मुख्यमंत्री महोदय ने सड़क दुर्घटना में होने वाले मृत्यु के आँकड़ो को देख कर प्रदेश में रोड एक्सीडेंट कम करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे । सड़क दुर्घटना का एक प्रमुख कारण बिना फ़िटनेस के चलने वाले हैवी गाड़िया है । अनफिट गाड़ियो से होने वाली सड़क दुर्घटना कम करने के लिए प्रदेश में परिवहन विभाग की पहल पर राष्ट्रीय राजमार्गो में ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू किए जा रहे है , जो बिना फिटनेस के वाहनों को डिटेक्ट कर ऑटोमैटिक चालानी कार्यवाही करेगा।

परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले ऐसे वाहनों का पता लगाने के लिए परिवहन विभाग ने एनआईसी उड़ीसा के सहयोग से ई-डिटेक्शन पोर्टल विकसित किया है।

ई-डिटेक्शन पोर्टल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न टोल नाकों से गुजरने वाले वाहनों का डेटा एकत्र करना है। पहले चरण में एनएच पर टोल गेट्स को ई डिटेक्शन पोर्टल से जोड़ा गया है। बाद में खनन और औद्योगिक क्षेत्रों से भी एएनपीआर कैमरे के मदद से डेटा एकत्र किया जाएगा।इस हेतु भी कार्यवाही शुरू कर दी गई है । गाड़ियों की जानकारी को फास्टैग के माध्यम से प्राप्त किए गए डेटा से एकत्र किया जाएगा और जब कोई वाहन टोल गेट से गुजरेगा तो उसकी तस्वीरें ली जाएंगी। जिस वाहन के पास कानूनी रूप से आवश्यक वैध दस्तावेज नहीं होंगे उसका ई-डिटेक्शन पोर्टल द्वारा स्वचालित रूप से चालान किया जाएगा। चालान एसएमएस के माध्यम से वाहन स्वामी के मोबाइल में भेज दिया जाएगा और जब तक वाहन स्वामी के द्वारा उस चालान का भुगतान नहीं कर दिया जायेगा तब तक उस गाड़ी से संबंधित समस्त कार्य सभी आरटीओ में प्रतिबंधित रहेंगे।

परिवहन सचिव श्री एस प्रकाश द्वारा वाहन मालिकों से अपील की गई है कि सड़क में वाहन चलाने से पहले गाड़ी के समूर्ण आवश्यक दस्तावेज को अप-टू-डेट करा ले। सभी दस्तावेज पूर्ण होना स्वय और सड़क में चलने वाले अन्य सभी लोगो के सुरक्षा के लिये आवश्यक है।

परिवहन आयुक्त श्री दीपांशु काबरा द्वारा वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि वे फिटनेस, टैक्स, बीमा और पीयूसी के जुर्माने से बचने के लिए वाहन के दस्तावेज अप-टू-डेट रखें। छत्तीसगढ़ के ई-डिटेक्शन पोर्टल विकसित करने में एनआईसी उड़ीसा के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री प्रशांत कुमार नायक, एनआईसी छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री श्रीनिवास राव और साइंटिस्ट श्री अमित देवांगन का विशेष योगदान रहा।

सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की समिति (एससीसीओआरएस) की सिफारिश के बाद सरकार ने ई डिटेक्शन के क्रियान्वयन का नीतिगत निर्णय लिया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट समिति के सचिव संजय मित्तल ने कुछ जिलों का दौरा किया था और राज्य में सड़क हादसों को कम करने के लिए शुरू किए गए सुधारात्मक उपायों की समीक्षा की थी। उन्होंने बिना फिटनेस और इंश्योरेंस के चल रहे वाहनों पर लगाम लगाने के लिए निर्देश दिये थे।

ज्ञात हो कि किसी वाहन को सड़क पर चलाने के लिए टैक्स पटाना , पंजीकरण प्रमाण पत्र, फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट (यदि परिवहन वाहन है तो), बीमा और सभी वाहनों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) जैसे वैध दस्तावेज होने अनिवार्य है तथा सभी वाहन चालकों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। पर्सनल वाहनों के लिए फिटनेस और परमिट की आवश्यकता नहीं होती है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों से एकत्र किए गए नमूना आंकड़ों के अनुसार, यह देखा गया है कि बहुत से वाहन बिना वैध दस्तावेजों के चल रहे हैं। खासतौर से हेवी माल यान जिसमें फिटनेस अनिवार्य है, ऐसे वाहन भी बिना फिटनेस और बिना टैक्स के चलते पाये जाते है। ऐसे वाहनो से सड़क दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है और इंश्योरेंस क्लेम में भी समस्या उत्पन्न होती है ।

वैज्ञानिक सोच के बिना इंसान का आगे बढ़ पाना संभव नहीं

» आज के इस दौर में हर व्यक्ति में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का होना बहुत जरूरी : बघेल
» नई समस्याओं को पुराने शोध के आधार पर खोजने से समाज को नहीं मिल पाएंगे नए शोध : मुख्यमंत्री
» 18वें छत्तीसगढ़ यंग साइंटिस्ट कांग्रेस 2023 के शुभारंभ समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री
» छत्तीसगढ़ काउंसिल आफसाइंस एंड टेक्नोलाजी और पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर के तत्वाधान में दो दिवसीय आयोजन

रायपुर,03मई2023(ए)। बिना वैज्ञानिक सोच के इंसान आगे नहीं बढ़ सकता है, समय समय पर नई खोजों ने समाज को आज वर्तमान की इस स्थिति में पहुंचाया है । आज के इस दौर में हर व्यक्ति में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का होना बहुत जरूरी है। इस बारे में सबसे पहले पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने सोचा। आजादी के बाद उन्होंने भारत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लैस करने की मुहिम शुरू की। पंडित नेहरू जी की सोच थी कि जनप्रतिनिधि और वैज्ञानिक यदि तालमेल के साथ काम करें तो देश की हर समस्या का आसानी से हल हो सकता है।

ये बातें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर के डीडीयू आडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय 18वें छत्तीसगढ़ यंग साइंटिस्ट कांग्रेस 2023 के शुभारंभ के अवसर देश भर से आए युवा वैज्ञानिकों से कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमने नेहरूजी की उसी सोच को आगे बढ़ाने का काम किया है। हमने नागरिकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण जगाने के लिए कदम उठाए हैं, साथ ही हर क्षेत्र में वैज्ञानिक नवाचारों को अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों में शामिल किया है।

युवा वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप में से बहुत से युवा ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। आप लोग गांव की समस्याओं को और जरूरतों को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि आपकी प्रतिभा और ग्रामीणों के परंपरागत अनुभवों के मेल से देश में एक नये युग की शुरुआत हो सकती है। हम उस युग में प्रवेश कर सकते हैं, जिसका सपना महात्मा गांधी देखा करते थे। ग्रामीण भारत और ग्राम स्वराज का सपना हम साकार कर सकते हैं।

युवा वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें मौसम में हो रहे परिवर्तन को नियंत्रित करने की दिशा में शोध तेज करना होगा या फिर इस परिवर्तन के अनुकूल विकल्पों की तलाश करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम संसाधनों का सही से इस्तेमाल न करें तो इसका दुरूपयोग भी होता है जिससे हमें बचकर रहना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समस्याओं को पुराने शोध के आधार पर खोजने से नए शोध समाज में नहीं आएंगे इसलिए शोध के नए नए तरीके युवा वैज्ञानिकों को सोचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने युवा वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति सवाल नहीं करता और समाधान नहीं खोजता वो समाज में पीछे रह जाता है। यदि नेहरू जी आधारभूत संरचनाएं निर्मित नहीं करते तो हम भी अपने पड़ोसी देशों की तरह पिछड़े होते लेकिन आज हम दुनिया से आंख में आंख मिलाकर बात कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में जब टीवी की बात हुई तो लोग हंसते थे, फिर मोबाइल के बारे में भी ऐसा ही था। लेकिन आज वैज्ञानिक सोच की वजह से मोबाइल में ही लोग टीवी देख रहे हैं, पहले मौसम वैज्ञानिक से जानकारी लेनी पड़ती थी, आज मोबाइल में ही सब कुछ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार दुनिया की पहली सरकार है जो गोबर खरीद रही है। अब गोबर से वर्मी कंपोस्ट बन रहा है। हम पराली को जला नहीं रहे गौठानों में पहुंचा रहे हैं और जितना हम धरती से ले रहे हैं उतना हम धरती को वापस करने की कोशिश भी कर रहे हैं। प्रकृति ने छत्तीसगढ़ में हमें बहुत कुछ दिया है, इसका इस्तेमाल कर हम रोजगार भी उत्पन्न कर रहे हैं।

18वें छत्तीसगढ़ यंग साइंटिस्ट कांग्रेस 2023 के शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ल, छत्तीसगढ़ यंग साइंटिस्ट कांग्रेस 2023 के अध्यक्ष प्रोफेसर कल्लोल के घोष तथा प्रोफेसर शम्स परवेज, छत्तीसगढ़ काउंसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के महानिदेशक डॉ एस कर्माकर समेत देश भर से आए युवा वैज्ञानिक उपस्थित थे।

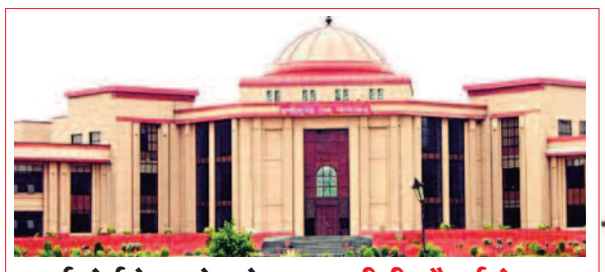

हाईकोर्ट के आदेश के बाद एसीबी और ईओडब्ल्यू ने वेबसाइट पर अपलोड की एफआईआर

» 2017 से अब तक सभी मामले वेबसाइट पर

बिलासपुर ,03मई2023(ए)। राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और एंटी करप्शन ब्यूरो की एफआईआर की कॉपी वेबसाइट में अपलोड करने का निर्देश देने की मांग करने वाली जनहित याचिका हाईकोर्ट ने निराकृत कर दी है।

आरटीआई कार्यकर्ता चिरमिरी के राजकुमार मिश्रा ने सन् 2021 में एक जनहित याचिका दायर कहा था कि ईओडब्ल्यू और एसीबी में दर्ज किए जाने वाले एफआईआर वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया जा रहे हैं। जबकि सभी पुलिस स्टेशन, सीबीआई, एनआईए इत्यादि जांच एजेंसियां ऐसा करती हैं। राज्य के दोनों विभागों के अधिकारियों से उन्होंने कई बार पत्राचार किया लेकिन उन्होंने कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने 7 दिसंबर 2016 को यूथ एसोसिएशन विरुद्ध यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मामले में सभी थानों में दर्ज एफआईआर वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का आदेश दिया था।

याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया कि सन् 2017 से लेकर के अब तक दर्ज एफआईआर की कॉपी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। शासन के जवाब के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस संजय के अग्रवाल की बेंच ने याचिका का निराकरण कर दिया।

जीएडी ने जारी किया सभी विभागों को पत्र

» जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश

रायपुर, 03 मई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सरकार मिशन मोड पर आ गयी है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अब सामान्य प्रशासन विभाग ने भी सभी विभागों को आदेश जारी कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी सभी विभागों को पत्र में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। आपको बता दें कि 58 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम राहत के बाद मुख्यमंत्री ने तुरंत ही चीफ सिकरेट्री, डीजीपी सहित आला अधिकारियों की बैठक ली थी और भर्ती प्रक्रिया को तंज करने को कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश आरक्षण मामले में सुनवाई करते हुए 58 प्रतिशत आरक्षण को सही बताया है। 58 प्रतिशत आरक्षण पर रोक के छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बदल दिया है। जिसके बाद अब ये माना जा रहा है कि प्रदेश में भर्तियां 58 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर हो सकेगी। हालांकि अभी यह राहत अंतरिम है। मतलब अगली सुनवाई या नये तथ्य के आते तक भर्तियां की जा सकेंगी। इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। यहां करीब दो साल से आरक्षण विवाद के कारण भर्तियां, प्रवेश परीक्षाएं रुकी हुई हैं।

बीते साल नवंबर में ही हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 58 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगा दी गई थी। राज्य सरकार की ओर से मामला सुप्रीम कोर्ट में गया था। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस मामले में बड़ी राहत के तौर पर देखे जा रहे हैं। जल्द ही इस पर सरकार अपना पक्ष रख सकती है, इसके बाद भर्ती और आरक्षण आधारित अन्य प्रक्रियाओं पर स्थिति साफ हो सकेगी।

बजरंग दल को कोई बैन नहीं कर सकता:अंश महाराज

» बजरंग दल एक हिंदू संगठन पार्टी है...
» समय-समय पर हिंदुओं के लिए कार्य करती है...

-दुलारे अंसारी -
रायपुर,03मई2023 (घटती-घटना)। समय-समय पर देश के विकास के लिए और देश में फैल रहे गंदगी को खत्म करने का भी काम करती है और इसके लिए बहुत सारे आंदोलन भी करती है एक अच्छे संगठन को जो देश के लिए कार्यरत है कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आपत्तिजनक बयान करके हिंदुओं और देश के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं यही एकमात्र कारण है कि कांग्रेस खत्म होते जा रही है *जो हिंदुओं का नहीं वो किसी का नहीं* देश में देश में ऐसे बयान देश को दो भागों में बांटते हैं पहला भाग जिसमें हिंदू हिंदुओं को हिंदुओं के खिलाफ खड़ा कर रहा है और दूसरे भाग में कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है बजरंग दल को बैन करके पीएफआई लाना चाहते हैं क्या मुस्लिम देश बनाना चाहते हैं साफ 80 करोड़ हिंदुओं से खड़गे क्यों नहीं कहते कि हम भारत को मुस्लिमस्तान बनाना चाहते हैं दोहरी राजनीति कर क्यूं करते है कांग्रेस पार्टी को हमेशा मुंह की खानी पड़ी है फिर भी उन्हें अकल क्यों नहीं आती है बजरंग दल हमेशा देश हित में कार्य करती है और हमेशा देश हित में कार्य करती रहेगी राष्ट्रीय बजरंग दल को ना कोई बैन सका है और ना कोई बैन कर सकता है

बजरंग बली बयान पर मचा बवाल

» क्या छत्तीसगढ़ में भी बजरंग दल को बैन किया जायेगा?

रायपुर, 03 मई 2023 (ए)। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल को प्रतिबंधित करने की बात कही है। अब इस मामले में पूरे देश में इस मामले में सियासत गरम है। आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बजरंग दल को प्रतिबंधित किये जाने को लेकर भाजपा गलतबयानी कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा कि वो फिर से झूठ बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजरंग दल को प्रतिबंधित करने की बात कही गयी है, ना कि बजरंगबली को।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजरंग बली हम सबके आराध्य हैं, लेकिन कुछ लोग बजरंगबली का नाम लेकर कानून को हाथ में लेते हैं। किसी को सजा दिलाने की अपनी एक प्रक्रिया होती है, लेकिन खुद ही सजा देना, ये कहां तक उचित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी बजरंग दलों के लोगों ने खूब उत्पात किया था, लेकिन सबको ठीक कर दिया। आगे अगर कोई शिकायत आयेगी तो सोचा जायेगा।

ये पूछे जाने पर कि क्या कर्नाटक की तरह छत्तीसगढ़ में भी बजरंग दल पर कार्रवाई होगी, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जगह की अपनी अलग-अलग परिस्थिति होती है। ऐसा नहीं है कि जो कर्नाटक में हुआ, वो छत्तीसगढ़ में होगा, ऐसी शिकायत कुछ आयेगी, तो सोचा जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्मोदीजी फेंकने में बहुत माहिर है, जो चीज पाकिस्तान का यह उसको भारत का बता देते हैं, बैन लगाने की बात बजरंग दल को कहां गया है, बजरंग बली को नहीं कहा गया है, बजरंगबली के नाम से आप गुंडागर्दी कर रहे हो, बजरंग नाम जोड़ कर यह उचित नहीं है, अयोध्या के राम मंदिर का ताला खुलवाने का काम राजीव गांधी ने किया था, कितना झूठ बोलेंगे प्रधानमंत्री के रूप में, प्रधानमंत्री इतना झूठ बोलते हैं कि लोग उनकी बातों को गंभीरता से नहीं ले रहे. इसमें भी झूठ बोल गए, बजरंग दल के लोग छत्तीसगढ़ में कम गुंडागर्दी कर रहे हैं हम सब देख रहे हैं. छत्तीसगढ़ में भी बजरंग दल को बैन किया जाएगा इस सवाल पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा...यहां के बजरंगियो गड़बड़ की तो ठीक भी कर दिए हैं हम लोग, जरूरत

नंदकुमार साय लड़ेंगे चुनाव

रायपुर, 03 मई 2023 (ए)। भाजपा नेताओं पर सियासी साजिश रचने का आरोप लगाते हुए भाजपा छोड़ने और कांग्रेस का दामन थामने वाले कद्दावर आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने अपनी राजनीतिक इच्छा से मीडिया को अवगत कराया हैं। उन्होंने कहा हैं की वह चुनाव लड़ना चाहते है। उन्होंने कहा हैं की चुनाव लड़ना हैं, कुनकुरी या पत्थलगांव क्षेत्र से लड़ते रहे है, लेकिन जो भी क्षेत्र तय हो जाए वहां से चुनाव लड़ेंगे।

बता दें की तीन दिन पहले ही नंदकुमार साय ने भाजपा का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष अरूण साव को भेजे अपने इस्तीफे में बताया था की उनके खिलाफ साजिश रची जा रही हैं। अपने इस्तीफे के बाद अगले ही दिन उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ मोहन मरकाम की मौजूदगी में कांग्रेस प्रवेश कर लिया था। चुनावी साल में बाड़े आदिवासी नेता का इस तरह से विरोधी पाले में जाना भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

छग में सरकारी नौकरी का बंपर ऑफर

रायपुर,03मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में आने वाले एक-दो महीने के भीतर लगभग 30 हजार पदों पर भर्तियों के लिए विज्ञापन जारी होंगे. इसके लिए सभी विभागों ने मिशन मोड पर काम शुरू कर दिया है. सीएम भूपेश बघेल के निर्देश के बाद सीएमओ से सभी विभागों में वैकेंसी की निगरानी की जाएगी, जिससे किसी तरह की देरी न हो. सरकार की तैयारी है कि एक से डेढ़ महीने के भीतर विज्ञापन निकालकर आवेदन कर प्रक्रिया पूरी कर लें. राज्य में आरक्षण के मसले पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद नई और पुरानी दोनों ही भर्तियों में रोक लग गई थी. इससे युवा वर्ग में सबसे ज्यादा निराशा थी, क्योंकि हाईकोर्ट ने 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक बताया था. इसके बाद राज्य सरकार ने संशोधन विधेयक में 76 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया. इसे राज्यपाल की मंजूरी ही नहीं मिल रही. इस वजह से प्रदेश में आरक्षण की स्थिति शून्य हो चुकी थी. युवाओं की निराशा सरकार के लिए भी चुनौती थी.

क्योंकि 6 महीने में विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद युवाओं के साथ-साथ राज्य सरकार के लिए भी उम्मीद जगी है. सीएम भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के तत्काल बाद मुख्य सचिव, डीजीपी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव और पीएससी के अध्यक्ष के साथ हाई लेवल बैठक की और मिशन मोड पर भर्तियां करने के निर्देश दिए. राज्य सरकार से मिली जानकारी के अनुसार 27 से 30 हजार पदों पर भर्तियां होनी है. इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. हर हाल में एक से डेढ़ महीने में आवेदन जारी करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आचार संहिता लागू होने से पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाए. जानकारी के मुताबिक पीएससी और व्यापमं मिलाकर लगभग 30 हजार भर्तियां होंगी. इनमें सबसे बड़ी संख्या शिक्षकों की है. शिक्षकों के दस हजार से ज्यादा पदों पर भर्तियां होंगी. इसके अलावा पटवारी, राजस्व निरीक्षक, छात्रावास अधीक्षक, सहायक ग्रामीण विकास विस्तार अधिकारी, मंत्रालय भर्ती के अंतर्गत डाटा एंट्री ऑपरेटर, सहायक ग्रेड-3 और पीएससी के अंतर्गत सिविल जज, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएमओ के पदों पर भर्तियां प्रस्तावित हैं.

आईईडी बम सुरक्षाबलों ने किया निष्क्रिय

बीजापुर ,03 मई 2023 (ए)। बीजापुर में नक्सलियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया है। बीजापुर में मुरदण्डा और तिमापुर कैम्प के बीच जवानों ने 3 किलो आईईडी बम बरामद किया है। मौके पर निष्क्रिय कर नक्सलियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। बता दें कि रोड के किनारे आईईडी बम लगाया गया था, जिसे डि-माईनिंग कार्रवाई के दौरान बरामद किया।

दरअसल, सड़क सुरक्षा में लगे जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से नक्सलियों ने आईईडी लगाया था, जिसे जवानों ने बरामद कर मौके पर निष्क्रिय कर बड़ी घटना को टाल दिया। दूसरी ओर नक्सलियों की इस हरकत के बाद पुलिस इलाके में अलर्ट हो गई है।

बीते दिनों में भी गंगालूर मार्ग पर रेड्डी चौक से आगे किकलेर पहाड़ी के पास से 3 किलो का आईईडी बरामद किया गया था। इससे पहले भी नक्सलियों ने वाहन को आग के हवाले किया था। इन बड़ी घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत फैल हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)